श्रावण शुक्ल पक्ष प्रतिपदा, संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 22 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
25 जुलाई 2025 शुक्रवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

जबलपुर हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

देर से ही सही जिला अदालतों के न्यायाधीशों की मनोदशा को बड़ी अदालत ने समझा

जबलपुर हाईकोर्ट के जस्टिस अतुल श्रीधरन तथा जस्टिस दिनेश पालीवाल ने एक ऐतिहासिक फैसला देते हुए न्यायिक सेवा से आने वाले जिलों की अदालतों में कार्यरत न्यायिक अधिकारियो की मनोदशा को समझा है। एक पूर्व जज मोहन चतुर्वेदी की याचिका पर फैसला देते हुए जस्टिस व्दय ने ऐसी टिप्पणी की गई है जो जरा सी गल्ती होने पर या झूठी शिकायत के आधार पर सीधे बर्खास्तगी के अज्ञात भय के चलते कम से कम जिला अदालतों में डरे सहमे होकर काम करने वाले जजेज के गहरे जख्मों पर मरहम लगाने वाला है। उनके मर्म को समझने वाला है।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

भोपाल के पूर्व एसएसीएसटी से जुड़े मामले देखने वाले जज मोहन ने अपनी याचिका में अपने निर्दोष होने की दलील दी थी। जस्टिस श्रीधरन और जस्टिस दिनेश पालीवाल ने उनके तर्कों से सहमति जताई है। चतुर्वेदी को एक आरोपी को अग्रिम जमानत देने के आरोप के चलते बर्खास्त किया गया था। हाईकोर्ट के दोनों जस्टिस ने अपने फैसले में माना कि बर्खास्तगी का फैसला गलत तरीके से लिया गया है। उन्होंने सरकार को निर्देश दिए हैं कि मोहन चर्तुवेदी को सात फीसदी ब्याज के साथ बकाया वेतन,बैक वेजेस के साथ पेंशन भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल इस तरह के मामले पहले भी हो चुके हैं जब हाईकोर्ट जस्टिस बने की दहलीज पर खड़े जिला जजों को बर्खास्त करके उनकी तरक्की के अवसरों पर विराम लगा दिया।

सबसे अहम यह है कि दोनों जस्टिस ने अपने फैसले में ऊंची अदालतों और जिला अदालतों के न्यायधीशों के अंर्तसंबधों को स्वामी और दास जैसा करार दिया है। उनके साथ असमानता का भेद किया जाता है। इससे जिला जजों में हीनता की भावना बढ़ रही है। हाईकोर्ट और जिला कोर्ट के बीच सामंती जैसा रिश्ता हो गया है। हाईकोर्ट खुद को सवर्ण और जिला अदालतों के जजेज के शूद्र जैसा मानता है। जस्टिस व्दय ने कहा कि इसी तरह के व्यवहार के चलते जिला अदालतों के जजेज में हीनता का भाव भर रहा है और वे जो फैसले अपने तई करके इंसाफ कर सकते हैं, उससे कतराते हैं। परिवार प्रतिष्ठा, के डर से वे न्याय नहीं करते केवल इंसाफ का दिखावा करते हैं। अनुशासन और अवमानना की डोर उन्हें अपने मन की बात कहने से उन्हें रोक लेती है। गौरतलब है कि कई बार ऊंची अदालतें जिला अदालतों को इस बात के लिए पहले झिडक़ी दे चुकी हैं कि वे अपने स्तर पर फैसले करने के बजाए हाईकोर्ट पर क्यों डाल देते हैं। इससे हाईकोर्ट का वक्त भी जाया होता है और लंबित फैसलों की तादाद भी बढ़ती है।

दरअसल मोहन चतुर्वेदी का केस पहला नहीं है। इसके पहले भी कई जज हाईकोर्ट विजिलेंस में शिकायत के आधार पर बर्खास्त हुए हैं। कई इसी तरह की प्रताडऩा के चलते हाईकोर्ट जस्टिस नहीं बन सके। मन में उपजे अज्ञात भय के चलते जिला अदालतें अपननी चमड़ी बचाने या तो फैसले हाईकोर्ट के पाले में डाल देती हैं, या फिर गोलमोल फैसले करती है जिसकी व्याख्या के लिए याचिका कर्ताओं या कथित आरोपियों को हाईकोर्ट में जाना पड़ता है। जिसमें उनका भी श्रम तथा धन खर्च होता है। तीसरा विकल्प वह याचिका को निरस्त करके नौकरी जाने के भय से अपनी जिम्मेदारियों से बचने के रास्ते अपनाते हैं। जिसे लोग असली इंसाफ के लिए सालों अदालतों के चक्कर लगाते रहते हैं। इस लिहाज से देर से ही सही पर माना जाना चाहिए कि ऊंची अदालत ने निचली अदालतों के अंर्तमन में छुपे भय और हीन भावना को समझने की कोशिश की है। उम्मीद की जाना चाहिए कि इस फैसले के बाज जिला अदालतें अपने भीतर छुपे डर को छोड़ इंसाफ की दहलीज पर खड़े पीड़ितों को न्याय देने में नहीं हिचकिचाएंगी।

दर्दनाक हादसा: कई बच्चों की हालत नाजुक

सरकारी स्कूल की छत ढही 6 बच्चों की दबकर मौत

झालावाड़ एजेंसी

भारी बारिश के बीच राजस्थान के झालावाड़ में आज सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। यहां के पिपलोदी में एक प्राइमरी स्कूल की छत ढहने से छह बच्चों की मौत हो गई। जिस समय हादसा हुआ, उस समय स्कूल में 60 बच्चे मौजूद थे, 30 बच्चों को मामूली चोट आई है, जबकि कुछ अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। जानकारी के अनुसार हादसे में एक क्लासरूम ढहा है। इसमें 7वीं क्लास के 35 बच्चे बैठे थे। सभी मलबे में दब गए। टीचर्स और ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को बाहर निकाला गया। घायलों में ग्यारह बच्चों की हालत बहुत गंभीर बताई गई है। एसपी झालावाड़ अमित कुमार के मुताबिक पिपलोदी प्राथमिक विद्यालय की छत गिरने से बच्चों की मौत हुई हैं। सूचना मिलने पर झालावाड़ कलेक्टर भी यहां पहुंचे। शिक्षा मंत्री मदन दिलावरने हादसे पर दुख जताया और जिलाधिकारी से फोन पर बात की। मुख्यमंत्री भजनलाल ने जांच के आदेश दिए हैं। वहीं स्थानीय लोगों का आरोप है कि स्कूल की इमारत पहले से जर्जर थी। अधिकारियों को कई बार सूचना पहुंचाई गई, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया।

वोटर लिस्ट पर सियासी घमासान संसद परिसर में मार्च, पोस्टर फाड़े

नई दिल्ली एजेंसी

बिहार में जारी चुनाव आयोग के 'प्रयोग' को अब देशभर में चलाने की बात सामने आते ही सियासी पारा भी चढ़ने लगा है। संसद के मानसून सत्र के आज पांचवें दिन भी विपक्ष ने बिहार वोटर वेरिफिकेशन मुद्दे पर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसदों ने गांधी प्रतिमा से लेकर मकर द्वार तक पैदल मार्च निकाला। इसमें राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे भी शामिल हुए। मकर द्वार पहुंचने पर राहुल-प्रियंका सहित विपक्ष के सांसदों ने स्पेशल इंन्सेंटिव रिवीजन (SIR) लिखे पोस्टर फाड़े तथा उन्हें प्रतीकात्मक डस्टबिन में डाला। इन सभी ने सरकार विरोधी नारे लगाए। उधर लोकसभा में विपक्ष के हंगामे के बाद सदन को दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। जबकि राज्यसभा के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, वे (केंद्र) गरीबों को उनके मतदान के अधिकार से वंचित करना चाहते हैं और चाहते हैं कि केवल एलीट क्लास वोट दे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार संविधान का पालन नहीं कर रही।

इधर लोकसभा में लगातार गतिरोध को देखते हुए स्पीकर ओम बिरला ने दोपहर ऑल पार्टी मीटिंग बुलाई, इसमें सदन को चलाने पर चर्चा की जा रही है। आज राज्यसभा में भी कार्यवाही करीब 20 मिनट तक चली। फिर इसे कुछ देर स्थगित किया गया लेकिन दोबारा कार्यवाही शुरू होने पर विपक्ष ने हंगामा किया तो सदन कल सुबह तक स्थगित कर दिया गया। दरअसल इन दिनों विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के कई घटक दलों के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करते हुए प्रदर्शन का सिलसिला चला रखा है।

आयोग बोला- वोटर लिस्ट अपडेट रखना कर्तव्य, पूरे देश में SIR

बिहार के बाद अब चुनाव आयोग अब पूरे देश में मतदाता सूची अपडेट करने जा रहा है। इस नए आदेश के अनुसार इसके लिये विशेष अभियान 'सर' यानि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन चलेगा। यह मतदाता सूची को अपडेट बनाए रखने के लिए होगा। आयोग जल्द ही पूरे देश के लिए SIR का शेड्यूल जारी करेगा। चुनाव आयोग ने कहा है कि मतदाता सूची को सही रखना उनका संवैधानिक कर्तव्य है। इसलिए, पूरे देश में एक विशेष अभियान चलाया जाएगा। आयोग ने अपने आदेश में कहा, 'आयोग ने अब मतदाता सूची की अखंडता की रक्षा के लिए अपने संवैधानिक जनादेश के निर्वहन के लिए पूरे देश में विशेष गहन संशोधन शुरू करने का फैसला किया है, देश के बाकी हिस्सों में SIR का कार्यक्रम नियत समय में जारी किया जाएगा।' समझा जाता है कि बहुत जल्द यह सामने आएगा कि किस इलाके में मतदाता सूची कब अपडेट होगी। कहा गया है कि यह अपडेट इसलिए जरूरी है ताकि चुनाव में कोई गड़बड़ी न हो।

उपराष्ट्रपति के इस्तीफे के बाद से कई अनुमान-आशंकाएं

भाजपा को अपने ब्रांड की जरूरत धनखड़ भी मलिक ही साबित हुए!

नई दिल्ली एजेंसी

उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देकर सनसनी मचा देने वाले जगदीप धनखड़ को लेकर कई तरह की 'कहानियां' व अटकलें सामने आ रही हैं,कई सोशल मीडिया पर तैर रही हैं। हालांकि इस्तीफे के बाद से धनखड़ चुप हैं लेकिन उनके पक्ष और विपक्ष में उतरे लोग लगातार बोल रहे हैं। कहा जा रहा है कि सतपाल मालिक की भांति ही धनखड़ भी विपक्ष की पिच पर खेलने लगे थे, वे भाजपा विरोधियों से सार्वजनिक व व्यक्तिगत रूप से मिल रहे थे। भाजपा को झटका दे रहे थे। भाजपा ने इसे तब महसूस किया,जब धनकड़ ने सार्वजनिक कार्यक्रम में कृषि मंत्री शिवराज सिंह को किसानों के मुद्दे पर बेइज्जत कर दिया। दूसरा झटका तब लगा, जब केंद्र सरकार जस्टिस वर्मा के खिलाफ लोकसभा में महाभियोग लाई। केंद्र की योजना थी कि लोकसभा स्पीकर की अगुवाई में जस्टिस वर्मा को हटाने की प्रक्रिया होगी लेकिन राज्यसभा में जो हुआ उससे भाजपा हिल गई। धनखड़ ने जस्टिस वर्मा के ख़िलाफ़ विपक्ष द्वारा लाए गए महाभियोग के नोटिस को स्वीकार कर लिया। इस पर 63 सांसदों के साइन थे। सरकार को बिना विश्वास में लिए धनखड़ ने विपक्ष का प्रस्ताव स्वीकार किया तो सदन में मौजूद मेघवाल और रेड्डी के चेहरे की हवाइयां उड़ गई।

बहरहाल उस दिन काफी गहमागहमी के बाद रात 8 बजे के बाद धनखड़ को एक कॉल गया, कॉल पर बहस हुई,मगर धनखड़ को संदेश दिया गया कि सांसदों के साइन हो चुके हैं। अब आपको तय करना है. इसके बाद धनखड़ साहब ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफ़ा दे दिया। मगर अब शायद भाजपा को समझ आ रहा है कि अब जब किसी नेता को निर्णायक जिम्मेदारी दी जाए तो उसका बैकग्राउंड भाजपा आरएसएस का हो। भाजपा ने दूसरे दलों से जितने भी आयातित किए हैं, उसमें 80फीसद या तो नकारा हैं या फिर धोखा दे चुके हैं।

हमीदिया अस्पताल में नई सुविधा, नाम बदलने की उठी मांग

मप्र अब हेल्थ सेक्टर में बन रहा मॉडल : सीएम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज कहा कि सरकारी अस्पतालों में हम पूरी तरह से उन्नत तकनीक पर काम कर रहे हैं। अब हेल्थ सेक्टर में मध्यप्रदेश देश के लिए मॉडल बन रहा है। 40 से ज्यादा मेडिकल कॉलेजों में एयर एंबुलेंस से लेकर मॉडर्न स्कैनिंग तक की सुविधा है। उन्होंने बताया कि पीपीपी मॉडल के तहत चार मेडिकल कॉलेज पहले ही सौंपे जा चुके हैं और आगे भी यह प्रक्रिया जारी रहेगी।

सीएम ने राजधानी के हमीदिया अस्पताल में मॉडर्न एमआरआई और सीटी स्कैन यूनिट की शुरुआत के मौके पर यह बात कही। इस मौके पर चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने हमीदिया अस्पताल का नाम बदलने की मांग की व कहा कि भोपाल रियासत के नवाब ने भारतीयों पर गोली चलवाई थी। ऐसे व्यक्ति के नाम पर कोई भी इमारत या संस्थान नहीं रहना चाहिए।

नई सुविधा

अब नयी सुविधा से भोपाल के मरीजों को अब मॉडर्न तकनीक से सस्ती और मुफ्त सीटी स्कैन और एमआरआई जांच की सुविधा मिलेगी। यह सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सबसे पहले भोपाल में शुरू की गई हैं। लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री के साथ उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, मंत्री विश्वास सारंग और विधायक रामेश्वर शर्मा भी मौजूद रहे।

राजनाथ रायसेन में रेल कोच कारखाने का भूमिपूजन करेंगे

भोपाल। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 10 अगस्त को भोपाल आएंगे। वह रायसेन में बनने वाले रेल कोच निर्माण कारखाना का भूमिपूजन करेंगे। उक्त कारखाने से प्रदेश में 1800 करोड़ रुपए का निवेश होगा। इधर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने औद्योगिक नीति एवं निवेश के प्रमुख सचिव राघवेंद्र कुमार सिंह, बीईएमएल लिमिटेड बैंगलुरु के चेयरमेन शांतनु रॉय, निदेशक रेल एवं मेट्रो राजीव गुप्ता, आदि के साथ इस प्रोजेक्ट की समीक्षा की। मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई इस इकाई के फलस्वरूप 1575 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त होगा।

17 वर्षीय स्टूडेंट से फिजिकल होने वाली शिक्षिका को जमानत

मुंबई। एक नामी स्कूल की 40 वर्षीय टीचर की अपने एक सत्रह वर्षीय छात्र के यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तारी के बाद विशेष पॉक्सो कोर्ट ने जमानत दे दी है। कोर्ट ने कहा कि दोनों तरफ से ऐसे सबूत हैं जिनसे पता चलता है कि उनके बीच सहमति से संबंध बने थे। विशेष जज सबीना मलिक ने कहा कि पीड़ित 17 साल से ज्यादा का था। आरोपी टीचर ने स्कूल से इस्तीफा दे दिया, इसलिए टीचर और स्टूडेंट का रिश्ता अब नहीं रहा। जज ने कहा कि ट्रायल शुरू होने में समय लगेगा। इस बीच, आरोपी को जेल में रखने से कोई फायदा नहीं होगा।

कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर के कई निहितार्थ

मांडू के अतीत में भविष्य की तलाश या अस्तबल से निजात

कांग्रेस के मांडू ट्रेनिंग कैंप के निष्कर्षों पर दो दिनी दिल्ली-मंथन के बाद मप्र में पार्टी की मौजूदा संरचना व शैली में बदलाव का योग नजर आ रहा है। अंदरखाने इसकी आहट भी भांप रहे हैं। हालांकि यह कब और कितना होगा, यह तस्वीर साफ नहीं है लेकिन तय है कि इसमें मांडू-पड़ाव की झलक होगी। कांग्रेस के इस शिविर की एक खास बात यह जरूर है कि इसमें युवा और अनुभवी दोनों को राहुल गांधी ने साधने की कोशिश की है, इसलिए दोनों तबके खुश हैं। दो महीने पहले राहुल ने भोपाल में सीनियर्स व निष्क्रिय नेताओं की तुलना बारात के व लंगड़े घोड़े से करके जो कुहासा पैदा किया था, उसे मांडू में छांटने की कोशिश भी उन्होंने की। सीनियर्स को सम्मान व उनके अनुभव से लाभ लेने की हिदायत देकर विधायकों समेत सभी कॉडर्स को राहुल ने नया संकेत दिया है। जानकारों की मानें तो दिल्ली से गुजरात और मप्र तक पार्टी नेताओं की तुलना घोड़ों से करने के नकारात्मक संकेतों को भांपकर यह टर्न लिया गया।

अर्थात
आशीष दुबे

खास बात यह है कि मप्र में विधानसभा चुनाव में हार की वजह सांगठनिक गड़बड़ी व सुस्ती या सीनियर्स की कुर्ताफाड़ कवायद की बजाए वोटर लिस्ट की गड़बड़ी व चुनाव-चोरी बताकर राहुल ने कमलनाथ और दिग्विजय जैसे नेताओं को 'रिहाई' दी है। सबसे ज्यादा उत्साहित कमलनाथ समर्थक हैं, नाथ ने राहुल की बात पर पोस्ट भी कर डाला। यानी पुराने खेमे रिचार्ज हो रहे हैं। अहमदाबाद अधिवेशन व इसके बाद राहुल के वक्तव्यों से कांग्रेस के सीनियर्स व युवा नेताओं के बीच बढ़ती खाई को पाटने के लिये यह जरूरी माना जा रहा था। बावजूद, कुछ नेता अब भी राहुल की संगठन को लेकर बार-बार बदलने वाली राय की दबी जुबान चर्चा करते हैं। बहरहाल, मांडू शिविर मप्र कांग्रेस में जीतू पटवारी के साथ उमंग सिंघार की स्थापना का भी है, विधायक दल के नेता के नाते वे अपने क्षेत्र में आयोजन-आतिथ्य से लेकर विदाई उपहार तक सूत्रधार रहे। एक जानकार का कहना है कि विधायक दल के भीतर अपने वजूद को स्थापित करने की उनकी कोशिशों को इस शिविर और राहुल गांधी की बातों से बल मिल सकता है। राहुल ने उन्हें जातिगत गणना के प्लान को आगे बढ़ाने के लिए भी कहा है।

मांडू से लौटने की आस व भाजपा के पुराने प्रयास

मांडू में कांग्रेस का यह शिविर सायास हो या अनायास, लेकिन तीस साल पहले के प्रयासों का विस्तार कहा जा सकता है। 90 के दशक की शुरुआत में जब भाजपा सरकार मप्र में थी, तब भी कांग्रेस का एक शिविर मांडू में हुआ था व करीब ढाई साल बाद कांग्रेस सत्ता में लौटी थी। हालांकि, हाल के विस चुनाव के पहले भाजपा भी यहां एक शिविर लगा चुकी है। जिसके पास सिंक्रोनाइज्ड चुनाव टीम है। बहरहाल, मांडू का इतिहास छठवीं शताब्दी से मिलता है, पर सात सौ साल पुराने रूपमती व बाज बहादुर के प्रेमप्रसंग से उसे ज्यादा जाना जाता है। यद्यपि असल कथा तो काफी घुमावदार है लेकिन मौजूदा संदर्भो में यदि सत्ता को 'रूपमती' माना जाए तो क्या कांग्रेस को 'बाज बहादुर' कहा जा सकता है !

पहले चरण में छह सड़के सीसी रोड बनेगी

किरकिरी के बाद राजधानी की सत्तर सड़कों का स्थाई इलाज करने की तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बारिश के इस मौसम में बदहाल राजधानी की सड़कों को लेकर जमकर फजीहत के बाद ऐसी सड़कों के लिए दूरगामी योजनाएं बनाई जा रही है ताकि हर साल फजीहत से बचा जा सके।शहरी इलाकों की जलभराव वाली सड़कों को अब सीमेंट क्रांक्रीट बनाया जाएगा। हर बारिश में ऐसी चुनिंदा सड़कें खराब हो जाती हैं। इससे लोक निर्माण विभाग और नगर निगम ने सबक लिया है। शुरुआत भोपाल से की जा रही है। यहां पीडब्ल्यूडी ने 6 नई सड़कों को सीसी प्रोजेक्ट में शामिल किया है, जबकि नगर निगम अभी ऐसी सड़कों की रिपोर्ट बना रहा है। भोपाल के नए और पुराने हिस्से में ऐसी कई सड़के हैं जो हर बार बारिश में अपनी बर्बादी का रोना रोती है, और नागरिक इसका खामियाजा भुगतते हैं।

बताया जाता है किभोपाल के अलावा मप्र के बाकी 16 नगर निगम क्षेत्रों में भी डामर से बनी सड़कों को सीसी में बदला जाएगा। इनमें जो सड़कें अभी गारंटी पीरियड में है, उनको छोड़कर शेष सड़कों की डीपीआर बनाने पर काम शुरू हो गया है। बता दें कि इंदौर, रतलाम में सीसी सड़कों पर काम शुरू हो गया है।

भोपाल में 70 सड़क कुख्यात

शहरी क्षेत्र में सड़कों के मेंटनेंस पर होने वाले विवाद के बाद लोक निर्माण विभाग शहरी क्षेत्र की छोटी सड़कों की रिपोर्ट बना रहा है। इनको अब स्थानीय निकाय यानी नगर निगम को सौंपा जा सकता है। ऐसी भोपाल में 70 सड़कें हैं, जो 200 से 800 मीटर लंबी हैं। इनकी सूची तैयार हो चुकी है। अब इंदिरा मार्केट से आरकेएमपी स्टेशन तक 6 ई-5 अरेरा कॉलोनी दस नंबर से हबीबगंज थाने तक 6मंदाकिनी कॉलोनी से जेके हास्पिटल तक 6डीआईजी से काली परेड करोंद मंडी तक 6भरत नगर केनाल रोड तक सड़क के सीसी किया जाएगा।

2 करोड़ से संवरेगा न्यू मार्केट 30 साल का होगा अनुबंध

भोपाल दोपहर मेट्रो

दिल्ली के कनॉट प्लेस की तरह न्यू मार्केट को विकसित करने का मंसूबा सिरे नहीं छड़ पा रहा है। अब विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा है कि न्यू मार्केट के सौंदर्यीकरण के लिए 2 करोड़ रुपए आरक्षित किए गए हैं। नगर निगम के दुकानदारों के अनुबंध अब 3 की जगह 30 साल के लिए होंगे। न्यू मार्केट व्यापार संरक्षण समिति के 50 पदाधिकारियों के शपथ दिलवाई। उन्होंने अध्यक्ष सतीश कुमार गंगराड़े, उपाध्यक्ष अजय देवनानी, प्रदीप कुमार गुप्ता एवं सचिव पुरुषोत्तम वरदानी को प्रमाण पत्र भी दिए।

अतिक्रमण बेलगाम

मार्केट में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान नगर निगम अमले के साथ बदसलूकी करने और धमकी देने वाले होटल संचालक दीपक अग्रवाल पर केस दर्ज हो गया है। टीटी नगर थाने में उसके खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने की धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ है।दीपक ने निगम अमले से विवाद करते हुए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया और आत्मदाह करने की धमकी दी थी। इधर, बुधवार को लगातार तीसरे दिन निगम की टीम ने न्यू मार्केट में अतिक्रमण हटाया। इस दौरान दीपक की दुकान से टेबल-कुर्सियां और सड़क पर फैलाया गया सामान जब्त किया गया। इसके साथ ही पूरे बाजार से अतिक्रमण और फैला हुआ सामान हटाया, जिससे ग्राहकों ने भी राहत महसूस की।

साधु वासवानी कॉलेज और स्कोप ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी में हुआ एमओयू

हिरदाराम नगर,दोपहर मेट्रो

साधुवासवानी स्वायत्त महाविद्यालय ने स्कोप ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी, भोपाल के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य छात्रों को कौशल विकास और रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करना है।

इस समझौते के तहत, साधु वासवानी महाविद्यालय के छात्रों को स्कोप ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी में उपलब्ध विभिन्न प्लेटफॉर्म और मॉडल्स पर प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और सर्टिफिकेट कोर्स करने का मौका मिलेगा। इसके साथ ही, छात्र विभिन्न शॉर्ट-टर्म कोर्स के माध्यम से अपने कौशल को निखारकर रोजगार प्राप्त करने में सक्षम होंगे। इस महत्वपूर्ण अवसर पर साधुवासवानी कॉलेज की ओर से साधुवासवानी एजुकेशनल सोसायटी के अध्यक्ष दयालदास डेटानी, प्राचार्य डॉ. अनिल सिंह, एडमिनिस्ट्रेटिव डायरेक्टर डॉ. डीके दुबे, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुमन मलिक, आईक्यूएसी संयोजक डॉ. मणि शुगानी, ऑटोनॉमस कंट्रोलर डॉ. अनुपम सेलट और यू.जी.सी. संयोजक डॉ. हिना आसवानी उपस्थित रहे। वहीं, स्कोप ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी की ओर से एजीएम आशीष सूद, प्रभाकर सिन्हा और एग्जीक्यूटिव महिमा मालवीय मौजूद थे।

फ्री नेत्र-दंत चिकित्सा शिविर 26 को

हिरदाराम नगर। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय द्वारा आगामी शनिवार, 26 जुलाई 2025 को निशुल्क नेत्र एवं दंत रोग परीक्षण व निशुल्क दवाई और चश्मा वितरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर अमृतवेला ट्रस्ट सेंटर, श्री माँ आनंदमयी आश्रम, ओल्ड डेरी फार्म रोड, संत नगर, भोपाल में आयोजित होगा। शिविर का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक रहेगा, जहाँ मरीजों को विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा आँखों और दाँतों से संबंधित समस्याओं की जांच की जाएगी। शिविर में निशुल्क दवाइयों के साथ-साथ, जरूरतमंद मरीजों को निशुल्क चश्मे भी वितरित किए जाएंगे। इस नेक कार्य में अमृतवेला परिवार, भोपाल का पूरा सहयोग रहेगा।

अभी सड़कों पर आ रहे, ट्रैफिक में व्यवधान जारी

12 सड़कों पर ई-रिक्शा पर सख्त प्रतिबंध अगले हफ्ते से, अभी दी जा रही समझाइश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी की 12 वीवीआईपी सड़कों पर ई-रिक्शा चलाने और पार्किंग पर प्रतिबंध के बाद थोड़ी राहत तो नजर आती है लेकिन अभी बहुत व्यवधान भी बाकी है। खुद ई रिक्शा ही प्रतिबंधित रूट्स पर चलते दिखे। इसलिए आगामी तीन-चार दिन बहुत महत्वपूर्ण है।हालांकि अभी पुलिसकर्मियों ने ई-रिक्शा चालकों को समझाइश देने का रास्ता निकाला है लेकिन कुछ दिन में ही सक्ति की जाने लगेगी।

इधर, ई रिक्शा प्रतिबंधित करने का विरोध भी शुरू हो गया है। ई-रिक्शा चालक एसोसिएशन ने पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचकर ट्रैफिक पुलिस अफसरों के सामने अपनी मांग रखी है।एसोसिएशन का कहना है कि हमें इन 12 रूट्स पर क्रॉसिंग की अनुमति दी जाए, ताकि रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड से सवारी उठाकर उन्हें मुकाम तक पहुंचाने के दौरान यदि बीच में ये रूट्स पड़ते हैं तो हमसे कोई रोक-टोक न हो। इसके विरोध में शाहजहांनी पार्क में धरना प्रदर्शन भी हुआ।

राजधानी में ई-रिक्शा चालकों पर लगे प्रतिबंधों के विरोध में आज आम आदमी पार्टी (आप) की जिला इकाई के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। 'रिक्शा रैली' के रूप में आयोजित इस विरोध में बड़ी संख्या में ई-रिक्शा चालक शामिल हुए। रैली जिंसी धर्म कांटा से शुरू होकर जहांगीराबाद रूट होते हुए कलेक्टर कार्यालय की ओर बढ़ी। विरोध प्रदर्शन के चलते जहांगीराबाद चौराहा, जिंसी रोड और सबन चौराहा सहित आसपास के इलाकों में करीब डेढ़ घंटे तक भारी जाम की स्थिति रही। ट्रैफिक जाम के कारण स्थानीय लोगों और स्कूल-ऑफिस जा रहे नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस प्रशासन लगातार यातायात सुचारु करने की कोशिशों में जुटा रहा।

एक हफ्ते तक ही दी जाएगी समझाइश

इधर एडिशनल डीसीपी ट्रैफिक बसंत कौल ने प्रतिबंधित मार्ग पर परमिशन मांगने पर ई- रिक्शा चालकों को समझाया कि ऐसा तभी संभव होगा, जब कुछ ई-रिक्शा संचालकों या चालकों की कोडिंग की जाए। आकलन करना होगा कि ऐसे कितने ई-रिक्शा हैं, जो बस स्टैंड या रेलवे स्टेशन से सवारी उठाकर इन 12 रूट्स से होकर गुजरते हैं। यदि कोई अनुमति दी भी जाएगी तो ऐसे ई-रिक्शा की संख्या महज 10-15 ही हो सकती है। इससे ज्यादा को छूट कलेक्टर के आदेश की अवहेलना होगी। पुलिस ने समझाया कि जो रूट्स प्रतिबंधित किए गए हैं, उन पर जाएंगे तो कार्रवाई होगी। इसलिए अच्छा होगा कि इन रूट्स से 100 मीटर पहले ही सवारियां उतार दें। वापसी के दौरान सवारियां इतनी दूर पैदल चलकर भी आ सकती हैं। इन 12 रूट्स के अलावा बाकी सभी सड़कें ई-रिक्शा के लिए खुली रहेंगी। फिलहाल ट्रैफिक पुलिस ने चालकों को सात दिन का समय दिया है। अधिकारियों का कहना है कि व्यवस्था लागू करने के लिए यह समय दिया गया है। रिक्शा चालकों को समझाइश दी जा रही है। वापस भेजा जाएगा। सात दिन के बाद भी ये रूट नहीं छोड़ते हैं तो कार्रवाई की जाएगी।

मैट्रो एंकर

आबकारी विभाग का एक्शन

महंगी शराब बेचने वाले दुकानों पर 2.31 करोड़ का जुर्माना

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एक अप्रैल से नये ठेके होने के बाद से दुकानदार मनमानी कीमतों पर शराब बेच रहे हैं, जिनकी शिकायतें भी आबकारी अधिकारियों को लगातार मिल रही हैं।आबकारी विभाग ने तय कीमत से अधिक दामों पर शराब बेचने वाले ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। पिछले दिनों 15 जिलों के 106 लाइसेंसी शराब दुकानों पर करीब दो करोड़ 31 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। बताया जाता है कि यह मामला उच्च न्यायालय तक पहुंच गया और न्यायालय ने सरकार व विभाग से पूछा था कि एमआरपी से महंगी शराब क्यों बेची जा रही है? इसी के बाद से आबकारी विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। आबकारी विभाग को पिछले दिनों एक खरीदार ने शिकायत की थी कि बरखेड़ी में दुकान पर महंगी शराब बेची जा रही है। इससे टीम के एक सदस्य को 500 का नोट देकर शराब खरीदने भेजा।

प्रमुख जिलों में की गई कार्रवाई

जिला	लाइसेंसी	जुर्माना राशि
भोपाल	07	24,03,169
इंदौर	19	51,00,000
जबलपुर	32	1,10,88,968
सागर	04	10,76,017
रीवा	05	13,70,024

नोट जब्त कर टेस्ट परेचज का पंचनामा

एक टीम दुकान के आसपास तैनात रही, जिसके पास उस नोट का नंबर और फोटो था। सेल्समैन ने उसे 450 रुपये की शराब 460 रुपये में दी। इस बीच टीम दुकान पर पहुंची और नोट जब्त कर टेस्ट परेचज का पंचनामा बनाया। एक अन्य पंचनामा भी बनाया गया, जिस पर सेल्समैन के हस्ताक्षर थे। विभाग ने दुकान संचालक को नोटिस थमा दिया था, इसी तरह सभी जगह कार्रवाई की जा रही है।

50 हजार लोगों ने क्यूआर कोड से खरीदी शराब

आबकारी विभाग ने महंगी शराब की कीमतों पर नियंत्रण लगाने के लिए लाइसेंसी दुकानों पर क्यूआर कोड लगाने के निर्देश दिए हैं। विभागीय सूत्रों के मुताबिक अब तक 50 हजार से अधिक लोगों ने क्यूआर कोड से भुगतान कर शराब खरीदी है। खरीदारों ने बताया कि शहर में शराब ठेकेदारों की मनमानी चल रही है। इस कारण वे एमआरपी से ज्यादा दरों पर शराब बेच रहे हैं। दुकान वालों से इस बारे में बात की जाती है, तो उनका कहना होता है कि जहां एमआरपी पर बिक रही है, वहां से खरीद लो। अन्य दुकानें दूर होने के कारण महंगी शराब खरीदनी पड़ती है।

नोटिस-जुर्माने की कार्रवाई

सहायक आबकारी आयुक्त वीरेंद्र सिंह धाकड़ का कहना है कि जिन शराब दुकानों द्वारा तय एमआरपी से ज्यादा और एमएसपी से कम पर शराब बेची जा रही है। उन्हें नोटिस देने के साथ ही जुर्माना लगाने की कार्रवाई की जा रही है।

गिदवानी पार्क सहित कई जगहों पर हुआ सघन पौधारोपण

हिरदाराम नगर। बजरंग सेना समिति द्वारा पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है। समिति ने गिदवानी पार्क, आंगनवाड़ी, शिव मंदिर और राजकुमार धानुक के फार्म हाउस पर भी विभिन्न प्रकार के पौधे रोपे गए। इनमें एलोवेरा, बेलपत्र, शमी पत्र, नीम, फूलों के पौधे और अमरूद के पेड़ शामिल थे।

पौधारोपण में पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधु चांदवानी ने भी गिदवानी पार्क में पौधारोपण कर सहभागिता निभाई। चांदवानी ने बजरंग सेना समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समिति हर साल की तरह इस वर्ष भी संतनगर में यह कार्य कर रही है। साथ ही, समिति निशुल्क पौधा वितरण अभियान भी चला रही है। समिति के अर्चक पुरोहित, पं. राजकुमार गर्ग ने बताया कि श्रावण मास में शमी के पौधों की पूजा का विशेष महत्व है। जो भी ऐसा करता है, उसे पूरे साल का फल एक ही दिन में प्राप्त होता है। इस पौधारोपण कार्यक्रम में पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी, बजरंग सेना समिति के अर्चक पुरोहित पं. राजकुमार गर्ग, अध्यक्ष कमलेश देवानी, महासचिव गुरदास रामचंदानी, सचिव राजकुमार धानुक और नीरज मेहर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया ऐलान, कहा- युवाओं को पलायन की जरूरत नहीं

उद्योगों में काम करने वाले युवाओं को 5 हजार प्रोत्साहन राशि

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मप्र में अब उद्योगों में काम करने वाले युवाओं को पांच हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यह ऐलान मुख्यमंत्री मोहन यादव ने की। वे भोपाल के अचारपुरा में 6 नई औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन समारोह संबोधित कर रहे थे। सीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार देने का काम प्राथमिक मानती है। हर युवा को काम मिले, ऐसा राज्य शासन का मंतव्य है। लाड़ली बहना योजना को लेकर उन्होंने कहा कि भाई दूज से 1500 रुपए की राशि लाड़ली बहना योजना के तहत दी जाएगी। दीपावली और भाई दूज पर यह बहनों को उपहार होगा। सीएम ने मीडिया से चर्चा में ये भी बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अगले महीने 10 अगस्त को भोपाल आएंगे। वे यहां रेल के अत्याधुनिक कोच निर्माण इकाई का शिलान्यास करेंगे। इस फैक्ट्री में वंदे भारत एक्सप्रेस और मेट्रो जैसी ट्रेनों के कोच बनाए जाएंगे। हमारे उद्योग कारखाने एक तरह के मंदिर हैं। यह मंदिर का स्वरूप हैं जो लोगों के कष्ट मिटाते हैं। मध्य प्रदेश में उद्योगों का जाल लगातार फैलाया जा रहा है। मध्यप्रदेश के युवाओं को पलायन की जरूरत नहीं है। हमारा

उद्योग प्रारंभ करने के लिए उम्र की सीमा नहीं

सीएम यादव ने कहा कि, मध्यप्रदेश में उद्योग प्रारंभ करने के लिए छोटे-बड़े उम्र की कोई सीमा नहीं है। सरकार के द्वार सभी के लिए खुले हैं। उन्होंने कहा कि खुशी का विषय है कि अचारपुरा की फैक्ट्रियों में ऐसी जैकेट बनाई जा रही हैं जो अमेरिका और अन्य देशों में निर्यात होती हैं। सीएम ने कहा- मध्यप्रदेश की प्रतिभाएं इन उत्पादों को तैयार कर विश्व में पहुंचा रही हैं। चीन जैसा देश हमारे कॉटन को बेच रहा है। मध्यप्रदेश की कपास की गुणवत्ता विश्व विख्यात है। राज्य सरकार ने देश के अलग-अलग शहरों में उद्योगों की स्थापना के लिए रोड शो आयोजित कर निवेशकों को आकर्षित किया है। राज्य सरकार भारत ही नहीं यूके, दुबई, स्पेन, जर्मनी, जापान सहित अनेक देशों से निवेश लेकर आई हैं। सीएम ने कहा लाड़ली बहनों को भी उद्योगों में काम करने पर प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान किया गया है। बहनों को 6000 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

सुपर 100 योजना-

प्रतिभाशाली बच्चों को श्रेष्ठ संस्थानों में प्रवेश के लिये निःशुल्क कोचिंग व्यवस्था

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग प्रदेश में प्रतिभाशाली बच्चों को देश के श्रेष्ठ संस्थानों में प्रवेश की कोचिंग के लिये सुपर 100 योजना संचालित कर रहा है। कोचिंग के लिये चयनित बच्चों को विभाग शासकीय सुभाष उच्च.मा.विद्यालय भोपाल और शासकीय मल्हार आश्रम उच्च.मा.विद्यालय इंदौर में निशुल्क कोचिंग के साथ आवासीय सुविधा भी उपलब्ध करा रहा है। इस योजना के माध्यम से प्रदेश के अनेक बच्चों को देश के चयनित इंजीनियरिंग, मेडिकल, लॉ और मैनेजमेंट से जुड़े कॉलेजों में प्रवेश मिला है। सुपर 100 योजना में मेघावी विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये निःशुल्क कोचिंग प्रदान किये जाने की व्यवस्था है। इस योजना में प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में कक्षा 10वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों का परीक्षा के माध्यम से चयन किया जाता है। इस वर्ष राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन 26 जुलाई तक दिये जा सकते हैं। परीक्षा की तिथि 3 अगस्त 2025 रविवार को प्रथम पाली में जेईई के लिये और द्वितीय पाली में नीट की परीक्षा होगी।

कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद शुरु हुए प्रयास

नया डेटा सेंटर व बांध पर खर्च होंगे 1038 करोड़

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मध्यप्रदेश में नया डेटा सेंटर बनाने के लिये कैबिनेट मंजूरी के बाद कई विभाग इसके लिए माथापच्ची में जुट गये हैं। यह सरकारी व आधुनिक तकनीक से लैस होगा। सरकार का इरादा है कि यह लोगों की जरुरत के हिसाब से योजना बनाने, उन पर काम करने समेत प्रदेश की तरक्की से जुड़े कामों में मदद करे।

जानकार बताते हैं कि इस डेटा सेंटर से कई लाभ होंगे। मसलन विभागों व सरकार को डेटा के आधार पर बेहतर और सही निर्णय लेने में मदद मिल सकेगी। डेटा और उसके विश्लेषण के परिणाम समय पर मिलने से नीतियों को और अधिक लाभकारी बनाया जा सकेगा। सभी विभाग बिना किसी रुकावट के एक-दूसरे से डेटा साझा कर सकेंगे, जिससे काम में पारदर्शिता व तेजी आएगी। हर क्षेत्र का डेटा सामने रहने से कर्मचारियों की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। स्वतंत्र शोधकर्ताओं और नीति-निर्माताओं को प्रमाणित

डेटा मिल सकेंगे, जिससे नई योजनाओं के निर्माण में आसानी होगी। इसके अलावा नागरिकों के लिए डेटा पब्लिक डोमेन में उपलब्ध रहेंगे, जिससे सटीक जानकारी मिल सकेंगी, शासन को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जा सकेगा तथा डेटा की उपलब्धता से निवेशकों का भरोसा जीता जा सकेगा व राज्य में निवेश को बढ़ावा मिल सकेगा। हालांकि यह बडी और खर्चीली योजना भी है लेकिन इससे विभागों के बीच विश्वसनीय डेटा सुलभ होगा। सरकार ने इसके लिये विशेषज्ञों की सलाह व सेवा लेने का विकल्प भी खुला रखा है।

1038 करोड़ से 40 साल बढेगी उम्र

उधर मध्यप्रदेश के गांधी सागर व राजस्थान के राणा प्रताप हाइडल प्लांट का 1038 करोड़ 31 लाख रुपए से रिनोवेशन करने की तैंयारी है। दोनों हाइडल प्लांट 40 साल पुराने हो चुके है, जिसकी क्षमता कम होती जा रही है, कई उपकरण खराब होने के चलते खतरा बढ़ा है। रिनोवेशन से दोनों की उम्र 40 साल बढ़ जाएगी। दोनों की बिजली की जरुरत पूरी होंगी। दोनों ही राज्य अपने-अपने हिस्से की राशि खर्च करेंगे। जबकि हाइडल प्लांट का रिनोवेशन मध्यप्रदेश व राजस्थान संयुक्त रूप से करेंगे, मध्यप्रदेश ने खुद के हिस्से की 127 करोड़ 6 लाख रुपए सालाना देने की स्वीकृति दी है। गांधी सागर हाइडल प्लांट में मध्यप्रदेश के पास 23 मेगावाट की 5 यूनिटें है, जबकि राजस्थान की सीमा में बने राणा प्रताप हाइडल प्लांट में 43 यूनिट की 4 यूनिट है।

सहकारिता संयुक्त आयुक्त मामले ने पकड़ा तूल

अफसर के हाथ में जबरन थमाई रिश्वत की रकम!, उच्च स्तरीय जांच की मांग

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मध्यप्रदेश सहकारिता विभाग राजपत्रित अधिकारी संघ द्वारा मुख्यमंत्री, सहकारिता मंत्री, अपर मुख्य सचिव (सामान्य प्रशासन), प्रमुख सचिव (सहकारिता), महानिदेशक (आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ) एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएँ को ज्ञापन सौंपकर शिवेन्द्र देव पांडेय, संयुक्त आयुक्त, सहकारिता, सागर संभाग, के विरुद्ध दर्ज प्रकरण की उच्च स्तरीय व निष्पक्ष जांच की माँग की गई है। शपाडेय को 23 जुलाई को आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ द्वारा कथित भ्रष्टाचार के आरोप में 50 हज़ार रुपये लेने का प्रकरण दर्ज किया गया था, परंतु 23 जुलाई को न्यायालय द्वारा उन्हें जमानत प्रदान कर दी गई।

संघ का कहना है कि यह प्रकरण पूर्व नियोजित, आधारहीन और दुर्भावनापूर्ण प्रतीत होता है।

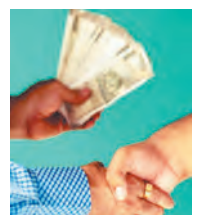

शिकायतकर्ता ने पूर्व में सेवा सहकारी समिति पनवारी में सेल्समैन नियुक्ति हेतु आवेदन दिया था, एवं चूँकि यह उनके अधिकार क्षेत्र का कार्य नहीं रहा अतः नियमानुसार कार्यवाही हेतु पांडेय द्वारा उसे संबंधित जिला कार्यालय में भेजने के निर्देश भी दे दिए गए थे। गौरतलब है कि शिकायतकर्ता के आवेदन में संलग्न समिति का प्रस्ताव अहस्ताक्षरित था तथा समिति द्वारा जारी नहीं किया गया था। संघ का कहना है कि घटना स्थल पर EOW टीम द्वारा प्रकरण दर्ज करने के लिए पांडेय के हाथ के पृष्ठ भाग में जबरदस्ती कर रकम स्पर्श करायी गई एवं कार्यालय के कुछ कर्मचारियों के साथ जोर ज़बरदस्ती भी की गई जिस पर पुलिस सहित उच्चाधिकारियों को सूचना दी गई है। सहकारिता विभाग एवं प्रदेश की सहकारी समितियों में ऐसी कार्यवाही से भय एवं आक्रोश का वातावरण व्याप्त है।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय प्रसारण दिवस

श्रेष्ठ फिल्म बनाने वाले विद्यार्थियों को अब अवार्ड से नवाजा जाएगा

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग ने विद्यार्थियों के साथ 98वां राष्ट्रीय प्रसारण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आकाशवाणी के पहले प्रसारण को वृत्तचित्र के रूप में देखा गया तथा विद्यार्थियों द्वारा भारतीय ज्ञान परम्परा पर केंद्रित लोककला, लोक कथाओं, पारंपरिक ज्ञान, घरेलू नुस्खे, मौखिक परंपरा पर लोकल फॉर वोकल श्रेणी में लघु फिल्मों का निर्माण कर उन्हें प्रस्तुत किया गया। श्रेष्ठतम लघु फिल्मों को पुरस्कार की घोषणा विभागाध्यक्ष प्रो. मोनिका वर्मा द्वारा की गई।श्रेष्ठ फिल्मों में सुदर्शन सिंह द्वारा निर्मित धान रोपने की पद्धति को प्रथम पुरस्कार आयुष सिंह द्वारा निर्मित हाथ से बांस का पंखा बनाने की विधि को द्वितीय पुरस्कार तथा बिहार की संस्कृति और लोकल गीतों पर केंद्रित अभिषेक डेहरिया की लघु फिल्म को तृतीय पुरस्कार के लिए चुना गया। इन सभी को पुरस्कार देने की घोषणा की गई।

यह भी रहे उपस्थित-

समारोह में प्रोड्यूसर डॉ. रामदीन त्यागी ने कहा कि रेडियो पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मन की बा कहकर इसकी प्रामाणिकता और प्रतिबद्धता दोहराई है। रेडियो संवाद का सशक्त माध्यम है,जिसके द्वारा भाषा और बोलियां भी मजबूत हो रही हैं। कार्यक्रम में विभाग के समन्वयक मुकेश चौरासे, सहायक प्राध्यापक राहुल खड़िया ,प्रोड्यूसर डॉ. मनोज पटेल , ट्यूटर आलोक अस्थाना ,सहित इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग की विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पेसा कानून के बेहतर क्रियान्वयन के लिये अमरकंटक में स्थापित होगा उत्कृष्टता केन्द्र

भोपाल। भोपाल स्थित वाल्मी परिसर में पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार, मध्यप्रदेश शासन तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (आईजीएनटीयू), अमरकंटक के संयुक्त तत्वावधान में हुए कार्यग्रम में पेसा कंपेडियम का विमोचन तथा एमओयू समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम में भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय के सचिव श्री विवेक भारद्वाज, मध्यप्रदेश शासन की प्रमुख सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ब्योमकेश त्रिपाठी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी एवं विशेषज्ञगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पेसा पर आधारित एक संक्षिप्त वीडियो फिल्म प्रदर्शित की गई। पेसा के अंतर्गत बेहतरीन कार्यों की कंपेडियम का विमोचन किया गया। इस अवसर पर पेसा को सशक्त बनाने के लिए क्षमता निर्माण, अनुसंधान एवं संस्थागत सहयोग विषय पर एक विशेषज्ञ पैनल चर्चा भी हुई।

मेट्रो एंकर

खाद्य मंत्री राजपूत के आग्रह पर केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

पीडीएस में चावल की जगह गेहूं की मात्रा बढ़ाई

भोपाल, दोहपर मेट्रो

प्रदेश के पात्र हितग्राहियों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत अब अधिक मात्रा में गेहूं मिलेगा। वर्षों से लंबित इस मांग को खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के आग्रह पर केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी है। अब पात्र परिवारों को मिलने वाले खाद्यान्न में 75 प्रतिशत गेहूं और 25 प्रतिशत चावल वितरित किया जाएगा। अभी तक चावल और गेहूं 60:40 के अनुपात में वितरित किया जाता था। विभिन्न जिलों के दौरे पर मंत्री राजपूत से कई बार नागरिकों ने अनुरोध किया कि वर्तमान वितरण व्यवस्था में बदलाव कर गेहूं की मात्रा बढ़ाकर 75 फीसदी और चावल की 25 फीसदी कर दी जाय। गौरतलब है कि खाद्य मंत्री राजपूत ने हाल ही में नई दिल्ली में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी से मुलाकात कर गेहूं की मात्रा बढ़ाने का आग्रह किया था।

खाद्य मंत्री राजपूत ने कहा है कि राज्य सरकार के अनुरोध पर केंद्र सरकार द्वारा लिया गया यह निर्णय न केवल जनहितैषी है, बल्कि यह केंद्र-राज्य समन्वय का भी सशक्त उदाहरण है। यह दर्शाता है कि यदि मांग व्यवहारिक हो तो नीतिगत बदलाव संभव हैं। खाद्य मंत्री राजपूत ने बताया है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशानुसार पीडीएस को अधिक पारदर्शी और हितग्राही केंद्रित बनाने के लिए आधार प्रमाणीकरण, डिजिटल वितरण ट्रैकिंग और ई-केवाईसी जैसी आधुनिक तकनीकों को तेजी से लागू किया जा रहा है।

मंत्री राजपूत ने माना केंद्रीय मंत्री का आभार

खाद्य मंत्री राजपूत ने खाद्य सुरक्षा से जुड़े इस महत्वपूर्ण और सारगर्भित त्वरित निर्णय पर केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि पीडीएस के माध्यम से खाद्यान्न में चावल की जगह गेहूं की मात्रा बढ़ाने के अनुरोध को महज एक हफ्ते के अंदर ही स्वीकार कर उसमें बदलाव के आदेश जारी करना यह बताता है कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार जनहित के लिए किसी भी निर्णय पर त्वरित अमल करती है। केंद्र से लेकर राज्य तक सरकार का लक्ष्य अंतिम छोर के व्यक्ति तक सुविधाओं का विस्तार है।

संपादकीय

उन्तीस करोड़ भूखे पेट लोग

दुनिया कई तरह विसंगतियों को समाए बढ रही है। कहीं तो विकास के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं और बुनियादी ढांचे से लेकर प्रौद्योगिकी के विकास में नई-नई मिसाल कायम की जा रही हैं, किसी अन्य ग्रह पर जीवन की खोज करने या फिर भविष्य में चांद पर बस्ती बसाने के दावे तक किए जा रहे हैं। मगर, क्या वास्तव में विकास का पैमाना यही माना जा सकता है, यह सवाल बार बार तब उमडता है जब मुख्यधारा से कटे हुए लोगों की बात आती है। समाज के समग्र उत्थान का तत्त्व विकास की इस धारा में गैरहाजिर दिखता है। यह कैसा विकास है कि एक तरफ विभिन्न देश तकनीक के बूते खुद के ताकतवर एवं साधन संपन्न होने का राग अलाप रहे हैं, तो दूसरी ओर दुनिया में करोड़ों लोग भुखमरी के कारण अपने शरीर की ताकत भी खो रहे हैं। विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन की 'वैश्विक खाद्य संकट' पर एक हालिया रपट में किए गए खुलासे चिंताजनक है। इसमें कहा गया है कि दुनिया भर में उनतीस करोड़ से अधिक लोग ऐसे हालात में जी रहे हैं, जहां उनके लिए एक वक्त का भोजन जुटा पाना भी मुश्किल है। साफ है कि समाज का सबसे कमजोर तबका आज भी संघर्ष, महंगाई, प्राकृतिक आपदा और जबरन विस्थापन जैसी समस्याओं के चक्रव्यूह में उलझा हुआ है। संसाधनों के अभाव और संकटग्रस्त क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन की डगर ज्यादा कठिन हो गई है। रपट में सामने आया है कि 2024 में लगातार छठे वर्ष दुनिया में गंभीर खाद्य संकट और बच्चों में कुपोषण बढ़ा है। आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले वर्ष 53 देशों या क्षेत्रों के 29.5 करोड़ लोग गंभीर खाद्य संकट से जूझ रहे थे। यह आंकड़ा वर्ष 2023 के मुकाबले 1.37 करोड़ अधिक है। यानी सुधार के बजाय स्थिति पहले से कहीं अधिक खराब हो गई है। भुखमरी के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें दो देशों के बीच युद्ध और आंतरिक संघर्ष प्रमुख हैं। इन दो कारणों से ही बीस देशों में करीब 14 करोड़ लोग भुखमरी का शिकार हैं। जाहिर है देशों में संघर्षों की वजह से हालात और ज्यादा बदतर हो रहे हैं। युद्ध के दौरान प्रभावित लोगों को राहत के तौर पर खाद्य सामग्री पहुंचाने पर रोक लगा देने की खबरें भी आती रहती हैं। इस तरह के प्रयास वास्तव में मानवीय संवेदनाओं के दम तोड़ देने की ओर इशारा करते हैं। महंगाई और बेरोजगारी से उपजी विकट आर्थिक स्थितियां भी भुखमरी के लिए जिम्मेदार हैं। रपट में कहा गया है कि इन दोनों कारणों से पंद्रह देशों में 5.94 करोड़ लोगों का जीवन संकट में है। इसके अलावा, सूखा और बाढ़ ने 18 देशों में 9.6 करोड़ लोगों को खाद्य संकट में धकेल दिया है। इन लोगों को खाद्य एवं पोषण सहायता के लिए मिलने वाली अंतरराष्ट्रीय वित्तीय मदद में भी भारी गिरावट आई है। सवाल यह भी है कि वैश्विक मदद और राजनीतिक इच्छाशक्ति की सांसें उखड़ रही हैं। जबरन विस्थापन भुखमरी के संकट को और बढ़ा रहा है। इस समस्या से निपटने के लिए जरूरी है कि संकटग्रस्त इलाकों में स्थानीय खाद्य प्रणालियों और पोषण सेवाओं में निवेश पर जोर दिया जाए। अब समय आ गया है कि विभिन्न देशों की सरकारें जनकल्याण की योजनाओं की व्यापक समीक्षा करें और भुखमरी को दूर करने के लिए उचित एवं प्रभावी उपाय किए जाएं। आज उन्नति के इतने चमकीले दावों के बीच जब भूखे लोगों की तस्वीर उभरती है तो यह सारी प्रगति कम लगती है या अपनी चमक खोती दिखती है।

आज का इतिहास

- 1689 - फ्रांस ने इंग्लैंड के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- 1722 - फादर्स रैली वार मेन और मैसाचुसेट्स सीमा के साथ आरम्भ हुआ।
- 1759 - युद्ध के दौरान ब्रिटिश सेना ने फ्रांस से फोर्ट नीयाग्रा पर कब्जा कर लिया।
- 1813 - कोलकाता में पहली नौका दौड़ का आयोजन किया गया।
- 1814 - नियाग्रा फॉल्स के युद्ध में अमेरिका ने ब्रिटेन को हरा दिया।
- 1909 - फ्रांस के लुई ब्लेरियट ने इंग्लिश चैनल पार करते हुए पहली हवाई उड़ान भरी थी।
- 1938 - फ़िलिस्तीन की एक मंडी में दो बम विस्फोटों में 62 लोग मारे गये और 100 अन्य घायल हो गये।
- 1943 - इटली के तानाशाह बेनिटो मुसोलिनी ने सत्ता छोड़ी, जिसके बाद राजा विक्टर इमैनुएल ने मार्शल पायत्रो बादोग्लिओ को नया प्रधानमंत्री बनाया।
- 1948 - भारत के खिलाफ आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने टेस्ट क्रिकेट का सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल कर रिकॉर्ड बनाया था।
- 1952 - प्यूर्टो रिको एक स्वशासित अमेरिकी राष्ट्रमंडल बना (संविधान दिवस)।
- 1854 - वाल्टर हंट को पहले पेपर शर्ट कॉलर का अमेरिकी पेटेंट हासिल हुआ।
- 1957 - कनाडा में वाटरलू विश्वविद्यालय ओंटारियो शहर में स्थापित किया गया।
- 1957 - फ्रांस से स्वतंत्रता प्राप्त करने के एक साल से अधिक समय बाद ट्यूनीशिया ने अपने राजशाही हुसैनिद राजवंश को समाप्त कर दिया।
- 1963 - अमेरिका, रूस और ब्रिटेन ने परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि पर हस्ताक्षर किए।
- 1978 - दुनिया की पहली आईवीएफ शिशु लुईस ब्राउन का जन्म।
- 1987 - आर. वेंकटरमन भारत के आठवें राष्ट्रपति बने।
- 1994 - 46 सालों से चल रहे जॉर्डन और इजरायल के बीच युद्ध की समाप्ति आज के दिन हुई थी।
- 1997 - के. आर. नारायणन भारत के 10वें राष्ट्रपति बने।
- 1982 - जैल सिंह भारत के 7वें राष्ट्रपति बने।
- 1987 - रंगास्वामी वेंकटरमण आठवें राष्ट्रपति बने।
- 1992 - एस. डी. शर्मा भारत के 9वें राष्ट्रपति बने।
- 1993 - जायोनी शासन के सैनिकों ने दोबारा दक्षिणी लेबनान पर आक्रमण किया।
- 1994 - जॉर्डन- इजरायल के बीच 46 सालों से चल रहे युद्ध का अंत हुआ।
- 1997 - के. आर. नारायणन भारत के 10वें राष्ट्रपति बने।
- 2000 - एयर फ्रांस का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 109 यात्रियों और 4 होटल में रहने वालों की मौत हो गई।
- 2004 - पाकिस्तान के परमाणु वैज्ञानिक अब्दुल कादिर खान के तीन सहयोगी रिहा हुये।
- 2007 - प्रतिभा पाटिल ने भारत की पहली महिला राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।
- 2010 - विकीलीक्स ने अफगानिस्तान में युद्ध के बारे में 75,000 वर्गीकृत दस्तावेजों को प्रकाशित किया, जो अमेरिकी सैन्य इतिहास के सबसे बड़े लीक में से एक था।
- 2017 - राम नाथ कोविंद ने भारत के 14वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।
- 2017 - बाढ़ के वजह से गुजरात में 70 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी।

ऑनलाइन भुगतान के मामले में भारत के यूपीआई ने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ा

■ प्रहलाद सबनानी

हाल ही के समय में भारत, विभिन्न क्षेत्रों में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नित नए रिकार्ड बना रहा है। कुछ क्षेत्रों में तो अब भारत पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने बैंकिंग व्यवहारों के मामले में तो जैसे क्रांति ही ला दी है। अभी हाल ही में आर्थिक क्षेत्र में बैंकिंग व्यवहारों के मामले में भारत के युनिफाईड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने अमेरिका के 67 वर्ष पुराने वीजा एवं मास्टर कार्ड के पेमेंट सिस्टम को प्रतिदिन होने वाले आर्थिक व्यवहारों की संख्या के मामले में वैश्विक स्तर पर पीछे छोड़ दिया है। वैश्विक स्तर पर अब भारत विश्व का सबसे बड़ा रियल टाइम पेमेंट नेटवर्क बन गया है। भारत में वर्ष 2016 के पहले ऑनलाइन पेमेंट का मतलब होता था केवल वीजा और मास्टर कार्ड। वीजा और मास्टर कार्ड को चलाने वाली अमेरिका की ये दोनों कंपनिया पूरी दुनिया में ऑनलाइन पेमेंट का एकाधिकार रखती थीं। वीजा की शुरुआत, अमेरिका में वर्ष 1958 में हुई थी और धीमे धीमे यह कंपनी 200 से अधिक देशों में फैल गई और ऑनलाइन भुगतान के मामले में पूरे विश्व पर अपना एकाधिकार जमा लिया। वैश्विक स्तर पर इस कम्पनी को चुनौती देने के उद्देश्य से भारत ने वर्ष 2016 में अपना पेमेंट सिस्टम, यूपीआई के रूप में, विकसित किया और वर्ष 2025 आते आते भारत का यूपीआई सिस्टम आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। यूपीआई पेमेंट सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार चुटकी बजाते ही हो जाते है। आज सब्जी वाले, चाय वाले, सहायता प्राप्त करने वाले नागरिक एवं छोटी छोटी राशि के आर्थिक व्यवहार करने वाले नागरिकों के लिए यूपीआई सिस्टम ने ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार करने को बहुत आसान बना दिया है। आज भारत के यूपीआई सिस्टम के माध्यम से प्रतिदिन 65 करोड़ से अधिक व्यवहार (1800 करोड़ से अधिक व्यवहार प्रति माह) हो रहे हैं जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वीजा कार्ड से माध्यम से प्रतिदिन 63.9 करोड़ व्यवहार हो रहे हैं। इस प्रकार, भारत के यूपीआई ने दैनिक व्यवहारों के मामले में 67 वर्ष पुराने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ दिया है। भारत में केंद्र सरकार की यह सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। भारत अब इस मामले में पूरी दुनिया का लीडर बन गया है। भारत ने यह उपलब्धि केवल 9 वर्षों में ही प्राप्त की है। विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम की अत्यधिक प्रशंसा करते हुए कहा है कि यह नई तकनीकी का चमत्कार है एवं यह सिस्टम अत्यधिक प्रभावशाली है। भारत का यूपीआई सिस्टम भारत को वैश्विक बैंकिंग नक्शे पर एक बहुत बड़ी शक्ति बना सकता है।

भारत में यूपीआई की सफलता की नींव दरअसल केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई कई आर्थिक योजनाओं के माध्यम से पड़ी है। समस्त नागरिकों के आधार कार्ड बनाने के पश्चात जब आधार कार्ड को नागरिकों के बैंक खातों से जोड़ा गया और केंद्र सरकार द्वारा देश के गरीब वर्ग की सहायता के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता राशि को सीधे ही नागरिकों के बैंक खातों में जमा किया जाने लगा तब एक सुदृढ़ पेमेंट सिस्टम की आवश्यकता महसूस हुई और ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई का जन्म वर्ष 2016 में हुआ। यूपीआई को आधार कार्ड एवं प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत बैंकों में खोले गए खातों से जोड़ दिया गया। नागरिकों के मोबाइल क्रमांक और आधार कार्ड को बैंक खातों से जोड़कर यूपीआई सिस्टम के माध्यम से आर्थिक एवं लेन-देन व्यवहारों को आसान बना दिया गया। भारत में आज लगभग 80 प्रतिशत युवा एवं बुजुर्ग जनसंख्या का विभिन्न बैंकों के खाता खोला जा चुका है। यूपीआई के माध्यम से केवल कुछ ही मिनटों में एक बैंक खाते से दूसरे बैंक खाते में राशि का अंतरण किया जा सकता है। ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई के आने के बाद तो अब भारत के नागरिक एटीएम कार्ड, डेबिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड को भी भूलने लगे हैं। भारत से बाहर अन्य देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक भी अपनी बचत को यूपीआई के माध्यम से अपने परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में ऑनलाइन राशि का अंतरण चंद मिनटों में कर सकते हैं। पूर्व में, बैंकिंग चेनल के माध्यम से एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में राशि का अंतरण करने में 2 से 3 दिन का समय लग जाता था तथा विदेशी बैंकों द्वारा इस प्रकार के अंतरण राशि पर खर्च भी वसूला जाता है। अब यूपीआई के माध्यम से कुछ ही मिनटों में राशि एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में अंतरित हो जाती है। इससे भारतीय रुपए का अंतरराष्ट्रीयकरण भी हो रहा है। विश्व के अन्य देशों में पढ़ाई के लिए गए छात्रों को अपने खर्च चलाने एवं विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में फीस की राशि यूपीआई सिस्टम से जमा कराने में बहुत आसानी होगी। जिस भी देश में भारतीय मूल में नागरिकों की संख्या अधिक है उन देशों में भारत के यूपीआई सिस्टम को लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। आज 13,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि इन देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिकों द्वारा प्रतिवर्ष भारत में भेजी जा रही हैं। वैश्विक स्तर पर भारत के यूपीआई सिस्टम की स्वीकार्यता बढ़ने से अमेरिकी डॉलर पर भारत की निर्भरता भी कम होगी, इससे भारतीय रुपए की मांग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ेगी और डीडोलराईजेशन की प्रक्रिया तेज होगी।

भारत ने यूपीआई के प्रतिदिन होने वाले व्यवहारों की संख्या के मामले में आज अमेरिका, चीन एवं पूरे यूरोप को पीछे छोड़ दिया है। वर्तमान में भारत के यूपीआई सिस्टम का विश्व के 7 देशों यथा यूनाइटेड अरब अमीरात, फ्रान्स, ओमान, मारीशस, श्रीलंका, भूटान एवं नेपाल में उपयोग हो रहा है। इन देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक यूपीआई के माध्यम से सीधे ही भारत के साथ आर्थिक व्यवहार कर रहे हैं। दक्षिणपूर्वीय देशों यथा मलेशिया, थाइलैंड, फिलिपींस, वियतमान, सिंगापुर, कम्बोडिया, दक्षिण कोरिया, जापान, ताईवान एवं हांगकांग आदि भी भारत के यूपीआई सिस्टम के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयास कर रहे हैं। यूनाइटेड किंगडम, आस्ट्रेलिया एवं यूरोपीयन देशों ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में लागू करने की इच्छा जताई है। हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की साइप्रस एवं नामीबिया यात्रा के दौरान इन दोनों देशों ने भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में शुरू करने के लिए भारत से निवेदन किया है। पूरे विश्व में अब कई देशों का विश्वास भारत के यूपीआई सिस्टम पर बढ़ रहा है और यदि ये देश भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में लागू कर देते हैं तो इससे भारत में विदेशी निवेश की राशि में भी तेज गति से वृद्धि होने की सम्भावना बढ़ जाएगी।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

दूरगामी रणनीति से बनेंगे पड़ोसियों से अच्छे संबंध

■ पुष्परंजन

किसी ने सोचा नहीं था, मोदी और मुइज़्ज़ू कभी 'सेम पेज' पर आ पाएंगे। यों, पीएम मोदी मालदीव तीसरी बार जा रहे हैं। मगर, राष्ट्रपति मुइज़्ज़ू के शासन के दौरान उनकी यह पहली यात्रा होगी। उनकी इस यात्रा से माले और नई दिल्ली के बीच संबंधों की नई इबारत लिखी जाएगी। विश्लेषकों ने इसे चीन के प्रभाव को 'पछाड़ने और उससे आगे निकलने' का प्रयास बताया है। 2025 के भारतीय बजट में, मालदीव को 6 अरब रुपये के आवंटन के बाद माले का भरोसा दिल्ली पर बढ़ा, जो पिछले वर्ष के 4.7 अरब रुपये से अधिक थी। इसे दक्षिण एशियाई लाभार्थियों में सबसे बड़ी वृद्धि बताया गया था। मोदी की मालदीव यात्रा पर केवल चीन-पाकिस्तान नहीं, अमेरिका की भी नज़र है।1 जनवरी, 2025 को चीन-मालदीव मुक्त व्यापार समझौता (सीएमएफटीए) लागू हो गया, जिस पर 2014 में हस्ताक्षर हुए थे। मालदीव की संसद ने 2017 में इस व्यापार समझौते को मंज़ूरी दे दी थी, लेकिन इब्राहिम सोलिह के नेतृत्व वाली सरकार ने 2018 में इसे निलंबित कर दिया था। पिछले साल जनवरी में, मालदीव और चीन ने पर्यटन सहयोग समझौते सहित 20 प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए और एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। मुइज़्ज़ू प्रशासन ने चीन से लिए गए 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के ऋणों के पुनर्गठन की भी मांग की।

मालदीव ने पिछले साल चीनी अनुसंधान पोत जियांग यांग होंग-3 को अपने जलक्षेत्र में आने की अनुमति दी थी, जिससे भारत में चिंताएं बढ़ गई थीं। जनवरी, 2025 में चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने मालदीव का अचानक दौरा किया, जहां उन्होंने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू से बातचीत की, और द्विपक्षीय संबंधों को दुरुस्त करने पर ज़ोर दिया। वांग यी को लग रहा था कि भारत-चीन फिर से नज़दीक आ रहे हैं। यों, जनवरी, 2024 में ही संकेत मिल गया था कि मुइज़्ज़ू भारत से संतुलित सम्बन्ध बनाने को इच्छुक हैं। मुइज़्ज़ू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए तीन मंत्रियों मरियम शिउना, मालशा शरीफ, और महजूम मजीद को निलंबित कर दिया था। 6 से 10 अक्तूबर, 2024 के दौरान मुइज़्ज़ू भारत आये और दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात की, जहां दोनों ने एक संयुक्त विज़न दस्तावेज़ जारी किया था। उस अवसर पर हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सहयोग को गहरा करने की योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की गई थी। समझौते में कहा गया था कि भारत मालदीव के रक्षा बुनियादी ढांचे को मज़बूत करने में मदद करेगा, जिसमें भारत की मदद से निर्मित माले में अत्याधुनिक रक्षा मंत्रालय के भवन का उद्घाटन भी शामिल है।

ऐसा लगता है, मुइज़्ज़ू अपने चीन समर्थक होने का मुलम्मा उतारना चाहते हैं। दो साल से उन्हें 'प्रो चाइना प्रेसिडेंट' ब्रांडेड किया गया था। नवंबर, 2023 में भारत-मालद्वीव उभयपक्षीय संबंध सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए, जब मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू, जिन्होंने 'इंडिया आउट' का प्रचार किया था। उन्होंने राष्ट्रीय संप्रभुता की चिंताओं का हवाला देते हुए नई दिल्ली को भारत द्वारा उपहार में दिए गए दो हेलीकॉप्टरों और एक फिक्स्ड-विंग विमान का संचालन और रखरखाव करने वाले 89 सैनिकों को वापस बुलाने का आदेश दिया था। इससे पाकिस्तान और चीन दोनों प्रसन्न थे।मालदीव-पाकिस्तान के संबंधों को समझना है तो वहां की संसद को देखिये, जिसका निर्माण पाकिस्तान ने 45 मिलियन रुपये लगाकर किया था। माले के मागू स्थित संसद भवन 'मज़लिस' का उद्घाटन 1 अगस्त, 1998 को पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की उपस्थिति में किया गया था। उसके 19 साल बाद, 25 जून, 2017 को मालदीव के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन ने प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और उनकी पत्नी कलसूम नवाज शरीफ को आमंत्रित किया था। नवाज़ को दोबारा मालदीव बुलाने से पहले तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन 7 मई, 2015 को इस्लामाबाद भी गये थे। पाक सेना के तत्कालीन प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने मार्च, 2018 के अंत में मालदीव का दौरा किया था। इस समय पाकिस्तान में मालदीव के अधिकांश छात्र देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ाई कर रहे हैं। 550 से 600 मालदीवियन युवा अपंजीकृत तालिब मदरसों में दीक्षा ले रहे हैं।

वर्ष 1965 में मालदीव एक स्वतंत्र देश बना। भारत, इस द्वीपीय राष्ट्र को मान्यता देने वाला पहला देश था। वर्ष 1972 में भारत ने मालदीव में अपना पहला उच्चायोग स्थापित किया, जबकि 2004 में मालदीव ने नई दिल्ली में अपना पहला पूर्ण राजनयिक मिशन खोला था। ठीक से देखा जाए, तो मोदी के कालखंड में मालदीव से उतार-चढ़ाव वाले संबंध रहे हैं। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि चीन पर दोष मढ़ने की बजाय, भारत को अपने पड़ोसी देशों में चल रही गतिविधियों को ध्यान में रखकर दूरगामी रणनीति बनाने की ज़रूरत थी। आप मानें न मानें, पाकिस्तान, चीन, सऊदी अरब और तुर्की का नेक्सस की भूमिका दिल्ली से माले के संबंध बिगाड़ने में दरपेश रही है।रविवार को अपने बयान में, राष्ट्रपति मुइज़्ज़ू के कार्यालय ने यह नहीं कहा कि प्रधानमंत्री मोदी स्वतंत्रता दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। बल्कि, बयान में यह उद्धृत था कि 26 जुलाई को मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस और मालदीव-भारत के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी कई संयुक्त परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।

ऐसा क्या है, कि मालदीव से हमारी कनेक्टिविटी कम हो जाती है? 'पीपुल टू पीपुल कॉन्टेक्ट', भारत की विदेश नीति का अहम हिस्सा है, लेकिन हम भाषाई और सांस्कृतिक रूप से सही से जुड़ नहीं पाए हैं। मालदीव किसी ज़माने में हिन्दू और बौद्ध देश माना जाता था। इसके अंतिम सम्राट, राजा धोवेमी ने वर्ष 1153 में इस्लाम धर्म अपना लिया; और अपना नामांतरण कर इस्लामिक नाम सुल्तान मुहम्मद अल-आदिल रख लिया। धिवेही वहां की आधिकारिक भाषा है। पाकिस्तान सरकार ने 25 जुलाई, 2024 को 'धिवेही बहुगे अकादमी' को 10,000 अमेरिकी डॉलर का दान दिया। धिवेही भाषा अकादमी का प्रतिनिधिमंडल अनुवाद, संगोष्ठियों के बाइ'स पाकिस्तान जाता रहा है। उर्दू और धिवेही के बीच सहयोग, डिजिटाइज़ की संभावनाओं को ये मिलकर आगे बढ़ा रहे सवाल हैं, भारत इस दिशा में पीछे क्यों रह गया? इश्धू लोमाफ़ानु मालदीव में अब तक खोजी गई सबसे पुरानी ताम्रपत्र पुस्तक है। यह पुस्तक 1194 ईस्वी में बौद्ध राजा श्रीगगनआदित्य के शासनकाल में लिखी गई थी। आधुनिक युग में हुसैन सलाउद्दीन ने 'सियारथुन्नबविया' लिखा। कवि अद्दू बंदेयरी हसन मानिकुफ़ान, मालदीव भाषा के सबसे महत्वपूर्ण प्रमुख साहित्यकार हैं, जिन्होंने 'धियोगे रायवरु' लिखा। अन्य रचनाकारों में बोडुफेनवालहुगे सिदी, मरियम सईद, अमीना फ़ैज़ा, इब्राहिम शिहाब, अब्दुल रशीद हुसैन की रचनाओं के भारतीय अदबी संसार कितना ज्ञात है? यह सवाल उठाना तो बनता है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

प्रयत्न ईश्वर का स्वरूप है।
- अज्ञात

निशाना

खेल सारा वोट का !

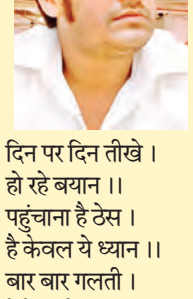

दिन पर दिन तीखे ।
हो रहे बयान ।।
पहुंचाना है ठेस ।
है केवल ये ध्यान ।।
बार बार गलती ।
ऐसे यूं दोहराना ।।
क्या बनी रणनीति ।
जानता जमाना ।।
खेल सारा वोट का ।
लगती ना लगाम ।।
करना जिन्हें खुश ।
पहुंच रहा पैगाम ।।
रह रह कर अब मंच से ।
छोड़ते हैं तीर ।।
त्वरित कुछ निकालें ।
हो रहे अधीर ।।

- कृष्णेन्द्र राय

वरिष्ठ कांग्रेस नेता दीक्षित ने सभी पदों से दिया इस्तीफा

नर्मदापुरम. ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन इंटक, जिला इंटक काउंसिल अध्यक्ष, जिला कर्मचारी कांग्रेस अध्यक्ष, जिला कांग्रेस महामंत्री इत्यादि पदों पर कार्य करने उपरांत अरुण दीक्षित ने सक्रिय राजनीति से इस्तीफा दे दिया है। दीक्षित ने बताया कि बेटे अक्षय अक्की दीक्षित की मृत्यु उपरांत संपूर्ण परिवार की जिम्मेदारी आ जाने के कारण मैं राजनीति में अपनी सहभागिता नहीं निभा पा रहा इस कारण इस्तीफा दे रहा हूं। दीक्षित ने समस्त कार्यकर्ताओं से प्रेम स्नेह की अभिलाषा व्यक्त करते हुए बताया कि शोषण अन्याय भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाने पर ट्रांसफर अटैचमेंट निलंबन जैसी कार्यप्रणाली से मुझे मुखातिब होना पड़ा। लेकिन ईमानदार अधिकारियों द्वारा पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

लीना यादव टीम मोदी सपोर्टस संगठन में बनी प्रदेश महामंत्री

सिवनी मालवा। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष और मीडिया प्रभारी लीना यादव को टीम मोदी सपोर्ट्स संगठन के महिला प्रकोष्ठ से महामंत्री के पद पर नियुक्त किया गया है। यह संगठन भारत सरकार एवं नीति आयोग द्वारा पंजीकृत है, जिसका उद्देश्य देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार के विकास कार्यों एवं जनहित की योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाना है। यह नियुक्ति भरत सिंह राष्ट्रीय प्रभारी एवं संजय दुबे राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष की अनुशंसा की गई है।

अमृत ध्वनि का हुआ विमोचन

नर्मदपुरम। नर्मदांचल की श्रीमती रेखा कापसे कुमुद द्वारा रचित पुस्तक 'अमृत ध्वनि' (छंद काव्य संग्रह) का विमोचन किया गया। गीता मेरिज पैलेस मे आर्चाय पं. सोमेश परसाई के मुख्यातिथ्य मे तथा नित्यगोपाल कटारे, गिरिमोहन गुरु ,शंकरलाल बटोही ,नीतू महेन्द्र यादव,निर्मला हंस राय के विशिष्ट आतिथ्य में विमोचन हुआ। उल्लेखनीय है यह पुस्तक साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद्, भोपाल द्वारा प्रथम कृति अनुदान योजना हेतु चयनित, सहयोग से प्रकाशित हुई है।

बिप्र धेनु सुर संत हित लिन्ह मनुज अवतार: आचार्य अविनाश

नर्मदापुरम। तवा नगर में चल रही श्रीमद भागवत कथा के अंतर्गत चौथे दिवस की कथा में बिलासपुर से पहुंचे कथा व्यास आचार्य अविनाश तिवारी ने कृष्ण जन्म की कथा सुनाई। आचार्य जी ने बताया कि कंस के अत्याचार से जब धरती पीड़ित हुई तब गौ का रूप बनकर ब्रह्मा जी के पास गई। ब्रह्मा जी को भगवान ने आदेश किया कि मैं धरती का भार हरण करने देवकी और वासुदेव का आठवां पुत्र बनकर आऊंगा। इस कथा में यजमान परिवार सहित बड़ी संख्या में आस पास के गांव के श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं।

कलेक्टर ने पीएम श्री विद्यालय का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

रायसेन। कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा उदयपुरा स्थित पीएमश्री शासकीय कन्या शाला का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने प्राचार्य तथा शिक्षकों से विद्यालय में कक्षावार बालिकाओं की संख्या, नवप्रवेशित बालिकाओं की संख्या, शाला में पदस्थ शिक्षकों तथा अध्यापन कार्य और बालिकाओं को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण की जानकारी ली। कलेक्टर ने विभिन्न कक्षाओं का निरीक्षण किया और बालिकाओं से गणित के सवाल हल करवाकर उनका शैक्षणिक स्तर जाना। उन्होंने प्राचार्य और शिक्षकों को निर्देश दिए कि शाला में सभी शिक्षक समय पर उपस्थित रहें और बालिकाओं को पूरे मनोयोग से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें।

पर्यावरण संरक्षण के लिए नन्हें हाथों से कदंब का पौधरोपण कर दिया संदेश

रायसेन। नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी धर्मेन्द्र राठौर द्वारा रायसेन भोपाल तिराहे पर 10 कदंब के पेड़ लगाने हेतु जिला विकास समिति एवं बस एक कदम और वेलफेयर सोसाइटी से संपर्क किया गया था। यह पुनीत कार्य धर्मेंद्र राठौर की तीन माह की बिटिया वृंदा के कर कमलों द्वारा वृक्षारोपण कर किया गया । वृंदा ने कदंब लगाकर , संपूर्ण समाज को पर्यावरण के प्रति जागरूकता हेतु बड़ा संदेश दिया। सभी ने कहा कि राहगीरों के लिए तेज गर्मी और सूरज की तपन से बचने में ये पेड़ सहायक होंगे।

नागद्वारी मेला : ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते दिख रहे हैं शिव भक्त

पचमढ़ी की घाटियों में रिमझिम फुहारों के बीच भोले दर्शन की यात्रा का आनंद

मो. रशीद खान। नर्मदापुरम

पचमढ़ी में हो रही बारिश ने वातावरण को खुशनुमा बना दिया है। सुरम्य वादियों में शिव भक्तों का जनसैलाब पूरी भक्ति एवं उत्साह के साथ नागद्वारी की दुर्गम यात्रा को पूरा कर रहा हैं। यात्रा में भक्तों का उत्साह देखते ही बनता है। इस दौरान बुजुर्ग महिलाों सहित छोटे-छोटे बच्चे भी भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए त्रिशूल हाथ में लिए संपूर्ण नागद्वारी ट्रैक से गुजर कर पद्मशेष नागद्वार गुफा में अपने आराध्य के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। ढोल नगाड़े के साथ नाचते गाते भगवान भोलेनाथ की भक्ति में लीन होकर यात्रा का आनंद ले रहे हैं।मेले के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल के जवानों एवं होमगार्ड सैनिकों द्वारा भक्तों को सुरक्षित आवागमन के लिए भी समझाइश दी जा रही है। तथा उन्हें निर्धारित किराया वाहन संचालक को देने के संबंध में भी अवगत कराया जा रहा है। परिवहन विभाग द्वारा भी मटकुली पगारा एवं पचमढ़ी मेला क्षेत्र में वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही है। अनियमितता बरतने वाले वाहन चालकों पर जुर्माने की कार्यवाही भी की जा रही है। मेला क्षेत्र में स्लीपर कोच बस वाहन को प्रतिबंधित किया गया है। मटकुली में स्थापित पुलिस सहायता केंद्र के द्वारा भारी वाहनों को भी पचमढ़ी में प्रवेश करने से रोका जा रहा है। मेले के दौरान भारी बारिश के चलते सड़कों को भी नुकसान पहुंचा है इसलिए लोक निर्माण विभाग द्वारा निरंतर सुधार कार्य कर सड़कों को आवागमन के लिए सुलभ बनाया जा रहा है।

दिन - रात काम कर रहा कंट्रोल रूम

महादेव मेला समिति में कंट्रोल रूम 24×7 क्षेत्र में होने वाली समस्त गतिविधियों पर निरन्तर नजर बनाये रखता है। श्रद्धालुओं की सुविधाओं और सुरक्षा को देखते हुए कंट्रोल रूम नंबर 252025 जारी किया गया है। यहाँ विभिन्न सेक्टरों से प्राप्त कुल 29 गुमशुदा में से 18 को प्रशासन एवं पुलिस की मदद से तत्काल उनके परिजनों से मिलवाया गया एवं शेष 11 लोगों के परिजनों से भी संपर्क कर सूचित कर दिया गया है। नागपुर के धर्मराज शिंदे पिता अमन जो काजरी से परिजनों से बिछड गये थे, इन्हें प्रशासन द्वारा मिलवाया गया। परदेशनी वर्मा जो पचमढी बस स्टेण्ड से गुम हो गये थे उन्हें भी सूचना मिलते ही प्रशासन ने उनकी बहन मीना वर्मा जो छत्तीसगढ से आयी थीं , उन्हें सौंप दिया। इसके अतिरिक्त तनवीर निशांत जो नागपुर से नागद्वार आये थे, कालाझाड से परिजनों से बिछड गये थे। कंट्रोल रूम में सूचना प्राप्त होते ही सब प्वाइंटों पर सूचना दी गई जिससे उनके परिजनों को वह पुन: मिल सके।

वायरलेस से जुड़े सुदूर क्षेत्र

जलगली, कालाझाड, चितांमन एवं नागद्वार स्थलों पर मोबाईल नेटवर्क की अनुपलब्धता के कारण इन स्थलों को वायरलेस के माध्यम से जोड़ा गया है जिससे सूचना का आदान प्रदान पचमढ़ी कंट्रोल रूम में होता रहे। कंट्रोल रूम द्वारा तुरंत निराकरण हेतु संबंधित को सूचना भी वायरलेस सेट के माध्यम से दी जा रही है। सेक्टर पर तैनात डॉक्टरों की टीम भी कंट्रोल रूम से सूचना मिलने पर संबंधित लोगों में मिलकर मदद सुनिश्चित कर रही है। श्रद्धालुओं द्वारा प्राप्त शिकायतों एवं सुझावों का निराकरण भी त्वरित कंट्रोल रूम से किया जा रहा है। महिला सहायता प्रकोष्ठ के माध्यम से भी सहायता की जा रही है।

वन विभाग ने पकड़ा फर्नीचर बनाने का कारखाना, लकड़ी और मशीन जब्त

बरखेड़ा रेंज में हो रही सागौन की अवैध कटाई

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

वन परिक्षेत्र बरखेड़ा में अवैध रूप फर्नीचर बनाने के लिए बेशकीमती सागौन लकड़ी टाइगर रिजर्व क्षेत्र से लाई गई थी जिसे वन विभाग ने दबिश देकर पकड़ा है। रातापानी टाईगर रिजर्व के ग्राम बरखेड़ा मे अवैध रूप से चल रहे बेशकीमती सागौन लकड़ी से अवैध फर्नीचर बनाने के कारोबार का भांडाफोड हुआ है। गांव के एक घर से वनमंडल अधिकारी हेमंत रैकवार के निर्देशन मे सर्च वारंट लेकर गांव पहुंची वन महकमें की टीम को 10 सागौन चिरान एवं 1 तखत बनता बरामद करने में सफलता मिली है।

वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर दोपहर को वन विभाग की टीम ने वन परिक्षेत्र अधिकारी मयंक पाण्डे के नेतृत्व में सर्च वारंट के आधार पर ग्राम बरखेड़ा निवासी इरफान पिता मुहस्सर खान के घर छापा मारा। वन विभाग की कार्रवाई के दौरान आरोपी इरफान खान के घर से 10 नग सागौन के चिरान मिले साथ ही एक तखत बनता मिला। इसके साथ एक लकड़ी काटने बाली कटर मशीन जप्त की गई। जब्त किये गए माल का बाजार मूल्य 25000 बताया जा रहा हैं। वन अपराध कायम कर अपराधी को गिरफ्तार कर लिया।

वृद्ध को सांप ने काटा, अस्पताल में मौत

गुना। जिले के ग्रामीण इलाकों में सांप के काटने के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। 15 दिन में ही 20 से ज्यादा मामले सांप काटने के सामने आए हैं। जिनमें 14 लोग सर्प दंश से जान गवा चुके हैं।

ताजा मामला जिले के म्याना इलाके के उकावद गांव का है। जहां एक वृद्ध की सांप के काटने से मौत हो गई। मृतक के परिवार वालों ने झाड़ फूंक करने वाले को भी बुलाया, लेकिन उनकी कोशिश नाकाम हुई। बाद में अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक का गुरुवार सुबह जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार उकावद गांव के रहने वाले देवीलाल सेन(65) पुत्र बलदेव सिंह किसानी करते हैं। बुधवार रात सभी लोग खाना खा कर सो गए थे। वह घर के बरामदे में सो रहे थे। तभी रात लगभग 11 बजे उनके सोते समय सांप ने काट लिया। जिससे उसकी मौत हो गई।

3 बेटियां लापता, जयवर्धन ने उठाए गम्भीर सवाल

बोले-अगर बेटियां नहीं मिलीं तो गुना में करेंगे बड़ा आंदोलन

गुना। दोपहर मेट्रो

मधुसूदनगढ़ क्षेत्र के बिदोरिया गांव से पांच दिन पहले लापता हुई तीन सगी बहनों को पुलिस अभी तक तलाश नहीं पाई है, जिससे परिजनों और ग्रामीणों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। घटना की जानकारी मिलने पर राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे और उन्होंने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए।

परिजनों से बातचीत के बाद विधायक जयवर्धन सिंह ने बताया कि वीडियो फुटेज में यह सामने आया है कि मुरलीपुरा का एक युवक संदीप सौंधिया तीनों लड़कियों को एक साथ बाइक पर बैठाकर ले गया है। यह घटना 20 जुलाई को हुई थी, जिसके बाद मंगलवार को मधुसूदनगढ़ में मीणा समाज द्वारा चक्काजाम किया गया था। तब प्रशासन ने समाज को 12 घंटे के भीतर तीनों बालिकाओं को तलाशकर परिजनों को सौंपने का आश्वासन दिया था, लेकिन पांच दिन बीत जाने के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। विधायक ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि क्षेत्र में यह पहली बार ऐसी घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति तीन बालिकाओं को एक साथ ले गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में पुलिस ने अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। विधायक ने तीनों लापता बालिकाओं को तत्काल तलाश कर उनके परिजनों को सौंपने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अगले कुछ दिनों में बालिकाएं नहीं मिलती हैं, तो मीणा समाज ही नहीं, बल्कि जिले के नागरिक भी मुख्यालय पर पहुंचकर बड़ा आंदोलन करेंगे।

कबाड़ में रखे तांबा-पीतल पर थी दो दोस्तों की नजर, मौका पाकर शटर तोड़कर ले गए

गुना। दोपहर मेट्रो

एसपी अंकित सोनी के निर्देश पर पुलिस जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों में तत्परता से कार्यवाहियां कर रही है। इसी के चलते गुना कोतवाली थाना प्रभारी सीपीएस. चौहान और उनकी टीम ने शहर में कबाड़े की एक दुकान से चोरी के मामले में सक्रियता से कार्यवाही करते हुए मात्र पांच दिनों में ही चोरी का खुलासा किया है।

बता दें कि फरियादी मुकेश रजक निवासी आवासीय कॉलोनी नानाखेड़ी गुना ने 19 जुलाई को कोतवाली पुलिस को रिपोर्ट करते हुए बताया था कि जीनघर में उसकी कबाड़े की दुकान है। 12 जुलाई की रात वह अपनी दुकान बंद कर घर चला गया था, अगली सुबह दुकान खोली तो दुकान की शटर का ताला टूटा होकर शटर खुली थी। अंदर चैक करने पर दुकान में कट्टों में रखा तांबा, पीतल, एल्युमीनियम जिसकी कीमत करीबन दो लाख रूपये थी। जिसे उसने कबाड़े में खरीदा था। वह गायब मिला।जिस पर से सिटी कोतवाली में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया था। सिटी कोतवाली पुलिस ने चोरी के इस प्रकरण में सक्रियता से कार्यवाही करते हुए चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू की।वहीं मुखबिर तंत्र एवं विभिन्न तकनीकी संसाधनों की मदद लेकर अज्ञात चोर की पहचान के प्रयास किये गए, मुखबिर की सूचना पर चोरी में दो संदेहियों जिनमें शहजाद पुत्र हबीब खां उम्र 22 साल निवासी हड्डीमील गुना एवं अमीन पुत्र अजीज खां उम्र 35 साल निवासी जीनघर हाल हड्डीमील गुना को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उनके द्वारा कबाड़े की दुकान से चोरी करना स्वीकार किया गया। वहीं पकड़े गए इन आरोपियों ने बताया कि 12 जुलाई की रात को वे दुकान से तांबा, पीतल, एल्युमीनियम आदि से भरे कट्टे चोरी कर अमीन खां की टेक्सी में ले गये।

कबाड़ा दुकान से चोरी के दो आरोपी पकड़े

सभी उपार्जन केन्द्रों पर कानून व्यवस्था चाक चौबंद रखी जाए: कलेक्टर

सिवनी मालवा। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने मूंग उपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण कर संपूर्ण खरीदी प्रक्रिया की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सफल एग्रोटेक वेयरहाउस बेराखेड़ी, सरस्वती वेयरहाउस डोलरिया, शिव वेयरहाउस आंवरी एवं आनंद वेयरहाउस नानपा का दौरा कर उपज तौल, बारदाना व्यवस्था, भुगतान की प्रक्रिया एवं कानून व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि केंद्रों पर स्लॉट बुकिंग करने वाले किसानों की उपज का समय पर उपार्जन सुनिश्चित किया जाए। कुछ स्लॉट अन्य केंद्रों पर शिफ्ट कर किसानों की उपज का शीघ्र उपार्जन कराया जाए। किसी भी स्थिति में किसानों के स्लॉट एक्सपायर न हों।

मेट्रो एंकर 10 अगस्त को गौहरगंज तहसील में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे शिलान्यास

रेल कोच फैक्ट्री से रायसेन में खुलेंगे रोजगार के अवसर

अमित ठाकुर। रायसेन

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आगामी 10 अगस्त को रायसेन में 1800 करोड़ रूपए के निवेश से प्रारंभ होने वाली रेल कोच निर्माण इकाई का शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मेसर्स बीईएमएल लिमिटेड बैंगलुरु के चेयरमेन, मैनेजिंग डायरेक्टर शांतनु रॉय, निदेशक रेल एवं मेट्रो राजीव गुप्ता, महाप्रबंधक बीईएमएल चंद्रशेखर और ईडी ओ.पी. सिंह ने मुलाकात कर चर्चा की।

मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई कि बीईएमएल द्वारा औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन के तहत कार्य किया जा रहा है। रायसेन जिला प्रशासन और संबंधित एजेंसियों के साथ सम्पर्क कर जिले की गौहरगंज तहसील के ग्राम उमरिया में अत्याधुनिक रेल कोच फैक्ट्री के शिलान्यास की आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। इस इकाई से 1575 लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त होगा। इकाई को आवंटित शासकीय भूमि को रेल लाइन से जोड़ने के लिए अधिग्रहण की कार्यवाही की जा रही है। मुख्यमंत्री ने बीईएमएल के पदाधिकारियों को प्रदेश में विभिन्न सेक्टर्स में आ रहे निवेश की जानकारी दी। उन्होंने ने कहा कि रायसेनजिले में रेल कोच निर्माण इकाई प्रारंभ होने से स्थानीय युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार मिलेगा और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा। मुख्यमंत्री से भेंट के दौरान प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेन्द्र कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

घटिया निर्माण : पहली बारिश में ही उधड़ने लगी एलिवेटेड कॉरीडोर की सड़क

शशिकांत टिमोले। सागर

करीब 64 करोड़ की लागत से बने एलिवेटेड कॉरीडोर की सांसें पहली बारिश में ही फूल गईं । सड़क में कई जगहों पर सीमेंट कांक्रीट उखड़ जाने से गड्ढे होने का खतरा पैदा हो गया है। शहर यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए ऐतिहासिक लाखा बंजारा झील पर कारीडोर का निर्माण किया गया है। हालांकि बारिश के बाद शहर की अधिकांश सडकों के हालात खराब हो गए हैं। गोपालगंज,जिला अस्पताल, मेडिकल कॉलेज से जोड़ने वाले कारीडोर की खूबसूरती को देखने और टहलने के लिए बड़ी संख्या में लोगों का आनाजाना शुरू हो गया था। तालाब की खूबसूरती के साथ सेल्फी लेने उत्साह भी था। लेकिन उधड़ रही सड़क की खूबसूरती एक साल भी नहीं ठहर सकी। और कई हिस्से में गड्ढे उभर आए हैं। ऐसा लग रहा हे जैसे किया गया मेकअप बारिश में उतर गया हो। एलिवेटेड कॉरिडोर का टेंडर स्मार्ट सिटी ने बनाया और निर्माण एजेंसी से निर्माण कराया गया था। निर्माण के बाद इसे नगर निगम को हैंडओवर कर दिया।

शहर में अन्य सड़कों की भी हालत खराब, मरम्मत जारी

शहर में और भी सड़कें हैं जिनका मेकअप उतर रहा है । जिनमें प्राइवेट बस स्टेंड, दीनदयाल चौक, तहसीली, इतवारा बाजार जैसी कई और सड़के है जिनके गुणवत्ता की असलियत सामने आ रही हैं । जिनकी जिम्मेदारी है उनका बहाना है कि बारिश इस बार ज्यादा हुई है । सड़कों की मरम्मत का काम जारी है ।

दुकान से सोने की चेन व अंगूठी चुराकर भागे बदमाश, केस दर्ज

सागर। दो बदमाश दिनदहाड़े एक दुकानदार की सोने की चैन व अंगूठी चुराकर भाग गए । घटना गोपालगंज थाना क्षेत्र में दोपहर करीब 12 बजे की है । पुलिस के मुताबिक तिली क्षेत्र निवासी अभिनव श्रीवास्तव 44 साल ने शिकायत में बताया कि उनके पिता जगदीश चंद श्रीवास्तव दुकान पर बैठे थे और अपनी सोने की चैन व अंगूठी साफ कर रहे थे । दोपहर 12 बजे के करीब 2 व्यक्ति मोटर साइकिल से घर के सामने आकर रुके और सामान खरीदने के बहाने दुकान के अंदर आए । कुछ देर में उसमें से एक व्यक्ति ने पिता से पीने के लिए पानी मांगा तो चैन व अंगूठी को दराज में रखकर पास में रखी कैन से पानी भरने चले गए । मौके का फायदा उठाकर दुकान के अंदर मौजूद एक व्यक्ति डॉज से सोने की चेन व अंगूठी चुराकर भागने लगा । अभिनव ने बताया कि वह दुकान के बाहर खड़े थे तो उन्होंने चोरों को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन तब तक दोनों मोटर साइकिल से तिली तिराहे की ओर भाग गए । चोरी गई चैन व अंगूठी का वजन करीब 4 तोला है । शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला पंजीबद्ध करते हुए विवेचना में लिया है ।

फंदे पर लटका मिला युवक का चार दिन पुराना शव, मर्ग कायम

सागर। मोतीनगर थाना क्षेत्र के बाइसा मोहल्ला में युवक का करीब 4 दिन पुराना शव मिला है । कमरे से बदबू आने के बाद पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी । कमरे के दरवाजे अंदर से बंद थे । शव फंदे पर लटका मिला है । पुलिस ने सुसाइड की आशंका जताई है । मृतक शादियों में तंदूर का काम करता था । मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंतसिंह राजपूत ने बताया कि 42 वर्षीय छोटेलाल साहू ग्राम बेरखेरी राजा बिलहरा सागर में किराए के मकान में रह रहे थे । गुरुवार को उनका शव फंदे पर लटका मिला है । लाश सड़ने से दुर्गंध आने लगी थी । नीचे रहने वाले किराएदारों ने अंदर से बंद दरवाजे से आ रही दुर्गंध के कारण पुलिस को सूचना दी । मृतक के साले ने बताया कि छोटेलाल 4 साल से सागर में रहकर तंदूर पर काम कर रहा था । वह अकेला रहता था । मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है ।

सीसीटीवी कैमरे की मदद से ढूंढ निकाला बालक को

सागर। करीब एक सप्ताह पहले जिले के मंडी बामोरा से लापता हुए एक 11 वर्षीय बालक को पुलिस ने ढूंढ निकाला । सीसी टीवी कैमरे की फुटेज से पुलिस को बालक की लोकेशन मिली और पुलिस ने बालक को राजस्थान के जयपुर शहर से बरामद कर परिजनों को सौंपा । दरअसल एसपी विकाश कुमार शाहवाल ने बच्चों की गुमशुदगी को सर्वोच्च प्राथमिकता पर लेते हुए, किसी भी बालक की रिपोर्ट आने पर बच्चों का पता लगाने के लिए सभी प्रयास किए जाने के निर्देश दिए हैं । इसी क्रम में गत 17 जुलाई को जिले की पुलिस चौकी मंडी बामौरा क्षेत्र से लापता हुए 11 वर्षीय नाबालिग बालक को राजस्थान के जयपुर शहर से सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया । इस संबंध में फरियादी द्वारा दर्ज रिपोर्ट के आधार पर थाना आगासौद में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई । बालक की तलाश के लिए पुलिस द्वारा गंभीर एवं सतत प्रयास किए गए थे । बताया जा रहा है कि बालक के लापता होने की रिपोर्ट पर पुलिस ने मंडी बामौरा क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की गहन जांच की थी ।

जबलपुर में बिजली कंपनी सख्त, 3629 कनेक्शन काटे

जबलपुर। बिजली बकायादारों की अब छोड़ा नहीं जाएगा । इन पर बिजली विभाग की नजर टेढ़ी हो गई है । मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कपनी के सिटी सर्किल ने बकायादार पर कड़ी कार्रवाई करना शुरू कर दी है । इन्होंने अगस्त 2023 से अब तक बिजली बिल की राशि जमा नहीं की है । ऐसे 3629 उपभोक्ताओं के यहां डिस्कनेक्शन की कार्रवाई की गई । उन पर दो करोड़ 56 लाख रुपए की राशि बकाया है । यह कार्रवाई मीटर डेटा मैनेजमेन्ट टेक्नॉलॉजी के जरिए की गई । इसके बाद कई उपभोक्ता बिजली कंपनी के ऑफिस भी पहुंचे । अफसरों ने साफ कहा कि बकाया जमा न होने तक लाइन नहीं चालू की जाएगी । सिटी सर्किल के पांचों संभागों में वृहत स्तर पर मैदानी कार्रवाई के लिए तैयार थी, लेकिन सुबह से बारिश होने लगी । 7151 उपभोक्ताओं में से ऐसे उपभोक्ताओं की जानकारी निकाली गई, जिनके यहां स्मार्ट मीटर लग चुके हैं । 3629 ऐसे उपभोक्ताओं का डेटा इकट्ठा किया । एक क्लिक पर डिस्कनेक्शन कर दिया गया । चार उपभोक्ता ऐसे भी हैं, जिन पर एक लाख रुपए से अधिक का बकाया है ।

सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में स्नेक वेनम की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित कराएं

सागर। कमिश्नर अनिल सुचारी ने सागर संभाग के सभी चिकित्सकों से समर्पण और सेवा भाव से कार्य करने को कहा है । कमिश्नर ने कहा है कि चिकित्सक का कार्य लोगों के जीवन को बचाने का पवित्र कार्य है । उन्होंने कहा है कि चिकित्सक संवेदनशीलता और सेवा भाव से लोगों की सेवा करें । कमिश्नर ने चिकित्सकों से अपील करते हुए कहा है कि संभाग में मातृ और शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए चिकित्सक संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें । कमिश्नर अनिल सुचारी स्वास्थ्य विभाग की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक में चिकित्सकों एवं मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को निर्देशित कर रहे थे । कमिश्नर ने बैठक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और स्वास्थ्य सेवाओं की जिलेवार समीक्षा करते हुए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सागर संभाग के सभी खण्ड चिकित्सा अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों का सतत रूप से भ्रमण कर स्वास्थ्य सेवाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं । कमिश्नर ने निर्देश दिए कि खण्ड चिकित्सा अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित स्वास्थ्य केन्द्रों, उप स्वास्थ्य केन्द्रों का सतत रूप से निरीक्षण करें । मैदानी कर्मचारियों की बैठकें लेकर योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा भी करें ।

आज से शुरू हो रही है सप्ताह में दो दिन चलने वाली ट्रेन, पहले सड़क मार्ग से जाना होगा पातालपानी

विंध्याचल की वादियों में सुकून भरा सफर कराएगी पातालपानी हैरिटेज ट्रेन

महू/भोपाल। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के एकमात्र हेरिटेज ट्रैक पर 26 जुलाई से हेरिटेज ट्रेन का संचालन शुरू हो जाएगा। पातालपानी रेलवे स्टेशन से निकलने वाली ट्रेन सैलानियों को कालाकुंड तक का सफर कराएगी। इसमें सैलानी प्रकृति के अनुपम नजारों का लुत्फ ले सकेंगे। रेलवे हेरिटेज ट्रेन का संचालन 26 जुलाई से शुरू करने जा रहा है। ऑनलाइन टिकट की बुकिंग शुरू हो चुकी है। ट्रेन सप्ताह में शनिवार-रविवार को चलेगी।

महू रेलवे जोन के पातालपानी रेलवे स्टेशन से हेरिटेज ट्रैक का सफर शुरू होता है। इसमें सैलानी पातालपानी से कालाकुंड तक विंध्याचल की वादियों का लुत्फ उठाते हैं। इसमें पातालपानी स्टेशन, पातालपानी वाटरफॉल, वैली ब्रिज, कालाकुंड शामिल है। यह ट्रेन मार्ग में चार टनल से होकर भी गुजरती है, जो इसके सफर के रोमांच को दोगुना कर देती हैं। सफर में ट्रेन कई प्रमुख स्पॉट पर ठहरती है। इससे सैलानी ट्रेन से बाहर आकर प्राकृतिक नजारों को निहार सकें। ट्रेन शुरू होने के पहले पातालपानी, टंट्याभील व्यू पाइंट, कालाकुंड स्टेशन सहित मार्ग के घने जंगल और अन्य पाइंट को भी बेहतर कर दिया गया है।

ट्रेन में आने-जाने के लिए अलग-अलग टिकट लेना होगा

52965 पातालपानी-कालाकुंड सुबह 11.05 बजे पातालपानी से चलकर 13.05 बजे कालाकुंड पहुंचेगी। वापसी में 52966 कालाकुंड-पातालपानी हेरिटेज ट्रेन कालाकुंड से दोपहर 15.34 बजे चलकर 16.30 बजे पातालपानी पहुंचेगी। इस ट्रेन में दो एसी चेयरकार सी 1 व सी 2 और तीन नॉन एसी चेयर कार डी 1, डी 2 और डी 3 रहेंगे। हेरिटेज ट्रेन में आने-जाने के लिए अलग-अलग टिकट लेना होगा। ट्रेन के एक दिशा के लिए एसी चेयर कार का किराया 265 रुपए और नॉन एसी चेयर कार का किराया 20 रुपए प्रति टिकट रहेगा।

लेन-देन विवाद में कुल्हाड़ी मारकर हत्या

हत्यारों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सागर। दोपहर मेट्रो

जैसीनगर थाना के कनेरा गोंड गांव में एक व्यक्ति की जंगल में कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी गई। रक्त रंजित व्यक्ति को पड़ा देख लोगों ने सूचना परिजनों को दी। जिसके बाद वह मौके पर पहुंचे और घायल को इलाज के लिए अस्पताल ले गए जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचे और पंचनामा बनवाकर शव को मर्चुरी में रखवाया।

पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। हत्या के मामले में पुलिस ने गांव के चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें पति-पत्नी व उसके दो बेटों पर हत्या का मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है। पुलिस के अनुसार कनेरा गौड गांव निवासी गोरेलाल कुर्मी पिता रामसिंह उम्र 49 साल बुधवार शाम गांव के पास लगे जंगल में जानवरों को चराने के लिए गया था। आरोपियों ने घेरकर उसकी हत्या कर दी। मृतक के परिजनों ने गांव के रज्जन कुर्मी पर हत्या का आरोप लगाया था। उनका कहना था कि मृतक जानवरों की खरीदी-बिक्री का काम करता था, जिसके लेनदेन को लेकर रज्जन से विवाद हुआ था और उसने जान से मारने की धमकी दी थी। शाम को वह जानवरों को चराने के लिए जंगल गया, जहां आरोपियों ने उस पर हमला कर दिया। गोरेलाल की गर्दन पर कुल्हाड़ी मारी, जिससे उसकी मौत हो गई।

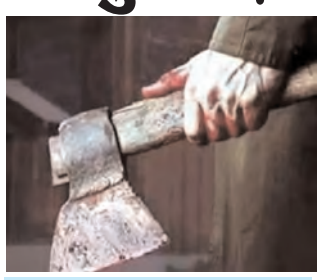

भागने की थी तैयारी, पकड़े गए आरोपी

जैसीनगर थाना प्रभारी शशिकांत गुर्जर ने बताया कि रज्जन कुर्मी ने अपनी पत्नी सुनीता व बेटे संदीप और अनिल के साथ मिलकर हत्या की थी। वारदात के बाद चारों गांव छोड़कर भागे और मोतीनगर थाना क्षेत्र के कनेरादेव में अपने रिश्तेदार के यहां छिपे थे। पुलिस ने चारों को दबोच लिया। थाना प्रभारी गुर्जर ने बताया कि आरोपी पूरे परिवार के साथ जिला छोड़कर भागने की तैयारी में था।

बंडा क्षेत्र में हत्या के आरोपी गिरफ्तार

सागर। बंडा थाना क्षेत्र में पाइप लाइन के पास हुई युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने खुलासा कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम चक्क निवारी के पास पंचमनगर बांध की पानी की पाइप लाइन के आगे कमलेश रैकवार की हत्या की गई थी। पुलिस जांच में आरोपी राजेन्द्र उर्फ भालू यादव, श्यामलाल यादव, देवेन्द्र उर्फ हल्ले यादव व शिवराज उर्फ शिवराम यादव निवासी सेमर कछार, जिला दमोह को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पुरानी रंजिश के चलते युवक की हत्या की थी।

बिजली के खंभों को छूने से बचें, रहता है करंट का डर

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

बारिश के मौसम में विद्युत करंट का खतरा काफी बढ़ जाता है। इन दिनों बड़ी तादाद में करंट पीड़ित स्वास्थ्य केंद्र व जिला अस्पताल या फिर जबलपुर में भर्ती हो रहे हैं। वर्षाकाल में लोग विद्युत उपकरणों का उपयोग करते समय सावधानी रखें तो बिजली जनित हादसों की तादाद में काफी गिरावट दर्ज की जा सकती है। इस संबंध में विद्युत विभाग द्वारा जहां एडवाइजरी जारी की जाती है वहीं पुलिस विभाग स्वास्थ्य व इलेक्ट्रिक व्यवसाय से जुड़े लोगों ने भी लोगों से आग्रह किया है कि वह कुछ एहतियात बरतकर करंट से बच सकते हैं। सावधानी से काम करें जिससे हादसा घटित ना हो।

बिजली विभाग के सहायक अभियंता एम एफ अंसारी ने कहा कि बारिश के दिनों में बिजली के खंभों को छूने से बचें। उसके आसपास अपने मवेशियों को न बांधें। यथासंभव बिजली लाइनों के नीचे कोई भी प्रोग्राम न करें। नए भवनों से बिजली लाइनों की उचित दूरी बनाए रखें। खेत की मेढ़, पाल पर यदि बिजली खंभा लगा है तो उचित दूरी रख कर ही जुताई करें। बिजली खंभे पर यदि स्पार्किंग हो रही है तो तुरंत अपने फीडर इंचार्ज अथवा संबंधित सब स्टेशन पर सूचना दें। यदि बारिश में खंभे पर तेज स्पार्क हो रहा हो और आसपास पानी भरा हुआ है तो उस रास्ते से या पानी में जाने से बचें व दूसरों को भी सावधान करें। यदि बिजली के तार किसी पेड़ के निकट से गुजर रहे हों तो किसी भी स्थिति में उस पर चढ़ने या लटकने से बचें।

ये दी सलाह

- बिजली फिटिंग करवाते समय उसमें अर्थिंग जरूर दें ।
- इलेक्ट्रिशियन शाहिद खान ने सलाह दी है कि विद्युत करंट से बचने के लिए घर में उपकरण अच्छी क्वालिटी के ही उपयोग करें ।
- घर के अंदर बिजली फिटिंग में अर्थिंग जरूर कराएं व अपने उपकरण को उससे जोड़ें । अपने सभी स्विच, एमसीबी, इएलसीबी उच्च कोटि की ही काम में लाएं । बगैर जानकारी के किसी भी उपकरण को छूने या खोलने से बचें ।

मेट्रो एंकर — हर महीने की बचत काम आई, चार गायों के साथ दूध और घी का व्यवसाय

लाड़ली बहना की राशि बनी सहारा, आत्मनिर्भर हुई राजेश्वरी

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना महिलाओं को न केवल स्वावलंबी बना रही है बल्कि परिवार से जुड़े महत्वपूर्ण फैसलों में भी उनकी भागीदारी बढ़ती जा रही है। नगर निगम जबलपुर की सीमा में शामिल ग्राम कुगवां की 50 वर्ष की राजेश्वरी पटेल इसका एक अच्छा उदाहरण हैं। मुख्यमंत्री लाडली योजना की हर माह मिलने वाली राशि को बचाकर राजेश्वरी ने गाय खरीदी और दूध का व्यवसाय शुरू किया। आज उनके पास चार गाय हैं। दूध के व्यवसाय से होने वाली आय से उनका परिवार आत्मनिर्भर हो गया है और खुशहाल जीवन जी रहा है।

राजेश्वरी के पति विजय पटेल भेड़ाघाट बायपास रोड पर का पान का ठेला लगाया करते थे। परिवार चलाने में उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। चार सदस्यों के परिवार के भरण पोषण में पति का सहयोग करने राजेश्वरी पटेल कुगवां के ही सरकारी स्कूल में मध्यान्ह भोजन तैयार करने लगी। बाद में उनका गांव नगर निगम सीमा में शामिल हो गया और सेंट्रलाइज्ड किचन से सप्लाई शुरू होने पर उन्हें स्कूल के बच्चों को मध्यान्ह भोजन परोसने का काम मिल गया। कुछ समय बाद अतिक्रमण हटाओ मुहिम के कारण राजेश्वरी के पति को अपना पान का ठेला बंद करना पड़ा। वे खेतों में मजदूरी करने लगे। कभी काम मिलता था कभी नहीं। घर चलाना और मुश्किल होने लगा। ऐसे में राजेश्वरी ने परिवार के सदस्यों से चर्चा की और दूध का व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया।

पूरा परिवार बटा रहा है व्यवसाय में हाथ

दूध का व्यवसाय शुरू करने में मुख्यमंत्री लाडली योजना उसका सहारा बनी । बैंक खाते में बचा कर रखी इस योजना की कई महीनों की राशि से राजेश्वरी ने एक गाय खरीदी । दो गाय हो जाने से उनका दूध का व्यवसाय चलने लगा । इससे हुये मुनाफे से पटेल ने एक-एक कर दो गाय और खरीदीं । अब उनके पास चार गाय हो गईं हैं और दूध के व्यवसाय से उन्हें 10 से 15 हजार रुपये प्रति माह की आय हो रही है । राजेश्वरी के परिवार में एक बेटी और एक बेटा भी है, वे भी दूध के इस व्यवसाय में उनका हाथ बंटा रहे हैं । गांव के ही कई परिवार उनसे 50 रुपये लीटर की दर से गाय का दूध ले रहे हैं । राजेश्वरी बताती हैं कि एक समय पर चार में से दो या तीन गाय दूध देती है और हर दिन औसतन 10 से 12 लीटर दूध निकलता है । राजेश्वरी ने बताया कि ग्राहकों की मांग पूरी करने के बाद बचे दूध से वे घी बनाती हैं । मांग अधिक होने से 900 रुपये किलो तक बाजार में गाय के दूध का घी बिक रहा है । गोबर से उपले बनाकर भी उन्हें अतिरिक्त आमदनी हो रही है ।

महिला यूरो कप फुटबाल

बोनमाटी के गोल से स्पेन पहली बार यूरो फाइनल में

ज्यूरिख। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले बीमार होने के कारण कुछ दिन अस्पताल में बिताने वाली ऐताना बोनमाटी के अतिरिक्त समय में किए गए गोल की मदद से स्पेन ने जर्मनी को 1-0 से हराकर महिला यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप (यूरो 2025) के फाइनल में प्रवेश किया जहां रविवार को उसका सामना इंग्लैंड से होगा। दोनों टीम निर्धारित समय में गोल नहीं कर पाई थी इसके बाद दो बार की बैलन डीओर विजेता बोनमाटी ने अतिरिक्त समय में 113वें मिनट में निर्णायक गोल किया। यूरो 2025 का फाइनल 2023 में खेले गए महिला विश्व कप के फाइनल की पुनरावृत्ति होगा। तब स्पेन ने इंग्लैंड को 2-1 से हराया था। स्पेन की जर्मनी के खिलाफ यह पहली जीत थी। वह पहली बार यूरोपीय चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा है।

निगाहें अब हैट्रिक पर

अब उसकी निगाह खिताब की हैट्रिक पूरी करने पर होगी। यूरो 2025 के लिए बोनमाटी की तैयारियां उस समय गंभीर रूप से प्रभावित हो गई थी जब टूर्नामेंट से एक सप्ताह से भी कम समय पहले बार्सिलोना की मिडफील्डर को वायरल मैनिंजाइटिस के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। बोनमाटी ने मैच के बाद कहा, %मैं इस खेल में अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर पहुंचना चाहती थी और मैं उन सभी लोगों की आभारी हूं जिन्होंने मुझे इस स्तर तक पहुंचने में मदद की क्योंकि अकेले ऐसा करना संभव नहीं था।

जब टूटे जबड़े के बावजूद मैदान पर उतरे थे स्पिन के जादूगर कुंबले

अब ऋषभ पंत ने दिखाया दम जज्बे की हो रही चौतरफा चर्चा

मैनचेस्टर, एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला खेला जा रहा है। इस मुकाबले के दूसरे दिन (24 जुलाई) भारतीय टीम के उप-कप्तान ऋषभ पंत ने जो जज्बा दिखाया, उसकी खूब चर्चा हो रही है। ऋषभ पंत फ्रैक्चर के बावजूद बैटिंग करने उतरे और पहली पारी में 54 रन बनाए। ऋषभ पंत को इस मुकाबले के पहले दिन चोट लग गई थी और उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा था। तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स के खिलाफ पर रिवर्स स्वीप मारने की कोशिश में गेंद ऋषभ पंत के दाएं पैर के अंगूठे पर जोर से लगी थी। इसके चलते उनका अंगूठा फ्रैक्चर हो चुका है। जब ऋषभ पंत पहले दिन रिटायर्ड हर्ट हुए तब वो 37 रनों पर थे।

अब दूसरे दिन उन्होंने अपने खाते में 17 रन जोड़े। ऋषभ पंत ने इस दौरान एक पैर पर खड़े होकर बैटिंग की और जोफ्रा आर्चर की गेंद पर छक्का भी लगाया। पंत की बहादुरी की फैन्स और क्रिकेट विशेषज्ञ तारीफ कर रहे हैं। पंत ने पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले की याद दिला दी है, जिन्होंने एक बार टूटे जबड़े के बावजूद मैदान पर गेंदबाजी करने उतर गए थे।

कुंबले पट्टी बांधकर उतरे और लारा को किया आउट

ये वाकया 2002 में वेस्टइंडीज के खिलाफ एंटीगा के सेंट जॉन्स में खेले गए टेस्ट मैच का है। कुंबले को उस मुकाबले में बैटिंग के दौरान तेज गेंदबाज मर्वन डिल्लन की गेंद लग गई थी। कुंबले ने खून बहने के बावजूद भारत की पहली पारी में 20 मिनट तक और बल्लेबाजी की। इसके बाद वेस्टइंडीज की पहली पारी में टूटे जबड़े के बावजूद अनिल कुंबले ने लगातार 14 ओवर डाले। तब कुंबले मुंह पर पट्टी बांधकर गेंदबाजी करने उतरे थे। कुंबले ने ब्रायन लारा का विकेट भी लिया। वो मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ, लेकिन कुंबले के उस जज्बे को आज भी भारतीय फैन्स भूले नहीं है।

जब मैल्कम मार्शल ने इंग्लैंड को तहस-नहस कर डाला

साल 1984 में वेस्टइंडीज के लिए इंग्लैंड दौरा काफी यादगार रहा था। तब क्लाइव लॉयड की कप्तानी वेस्टइंडीज ने मेजबान इंग्लैंड का 5-0 से सफाया किया था। उस दौरे का सबसे दिल छू लेने वाला लम्हा लीड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में देखने को मिला था, जब मैल्कम मार्शल ने बाएं हाथ में फ्रैक्चर के बावजूद तूफानी गेंदबाजी करके अपनी टीम को जीत दिलाई थी। उस मुकाबले में इंग्लैंड की पहली पारी के 270 रनों के जवाब में वेस्टइंडीज की टीम मुश्किल में थी क्योंकि उसका स्कोर एक समय 206/7 था। फिर लैरी गोम्स ने माइकल होल्डिंग के साथ आठवें विकेट के लिए 82 रन जोड़े।

ईसीबी का शेड्यूल जारी

भारत अगले साल फिर इंग्लैंड का दौरा करेगा, खेले जाएंगे टी-20-वनडे

मुंबई। भारत अगले साल फिर से इंग्लैंड का दौरा करेगा। दोनों टीमों के बीच आठ वाइट बॉल मैच खेले जाएंगे। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार (24 जुलाई) को 2026 के समर होम सीरीज की घोषणा करते हुए इसकी पुष्टि की। भारत जुलाई, 2026 में पांच टी-20 और तीन वनडे मैच खेलने के लिए इंग्लैंड दौरा करेगा। भारत फिलहाल पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर है। अगले साल न्यूजीलैंड और पाकिस्तान भी इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट सीरीज खेलेंगे। दोनों टीमें 3-3 टेस्ट मैच खेलेंगी। इंग्लिश टीम श्रीलंका के खिलाफ भी छह वाइट बॉल मैच खेलेंगी। इसमें तीन वनडे और इतने ही टी-20 शामिल है। भारत सीरीज में 1-2 से पीछे टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-2 से पीछे है। इंग्लैंड ने पहला मैच 5 विकच और तीसरे 22 रन से जीता था। वहीं भारत को दूसरे मैच में 336 रन से जीत मिली थी। सीरीज का चौथा टेस्ट खेला जा रहा है। वहीं पांचवां और आखिरी मुकाबला 31 जुलाई से शुरू होगा।

उन्नति ने सिंधू को हराया सात्विक-चिराग क्वाफा में

चांग्झू (चीन) एजेंसी

उन्नति हुड्डा ने अपने करियर का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और भारतीय बैडमिंटन की दिग्गज खिलाड़ी पीवी सिंधू को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में हराकर गुरुवार को चाइना ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अपनी प्रतिष्ठित हमवतन खिलाड़ी का केवल दूसरी बार सामना करते हुए 17 वर्षीय हुड्डा ने कठिन क्षणों में धैर्य बनाए रखा और 73 मिनट में 21-16, 19-21, 21-13 से जीत दर्ज की। वह पहली बार किसी सुपर 1000 प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहुंची है।

रोहतक की इस किशोरी ने 2022 ओडिशा मास्टर्स और 2023 अबू धाबी मास्टर्स में सुपर 100 खिताब जीते थे। वह अगले दौर में जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त और दो बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची से भिड़ेगी। सिंधू सात साल में पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में किसी साथी भारतीय से हारी हैं। पिछली बार उन्हें 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में साइना नेहवाल से हार का सामना करना पड़ा था। वह 2019 राष्ट्रीय चैंपियनशिप के फाइनल में भी साइना से ही हार गई थी। इससे पहले सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेत्ती की जोड़ी ने इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और बगास मौलाना को सीधे गेम में हराकर पुरुष युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

प्रणय चीन से हारकर हुए बाहर

विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी ने अपने धैर्य का अच्छा नमूना पेश करते हुए एक कड़े मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी पर 21-19, 21-19 से जीत हासिल की। लेकिन एचएस प्रणय 65 मिनट तक चले पुरुष एकल के दूसरे दौर के मैच में चीनी ताइपे के छठे वरीय चोऊ तिएन चेन से 21-18, 15-21, 8-21 से हारकर बाहर हो गए। सात्विक और चिराग को जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी क्योंकि दोनों ही गेम में पलड़ा इधर से उधर झुकता रहा। पहले गेम में इंडोनेशियाई जोड़ी ने पहले 8-6 और बाद में 14-12 की मामूली बढ़त बना ली थी।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

दयाबेन का नाम, कंट्रोवर्सी का साथ, कैसे 17 साल से टीआरपी में टॉप पर है तारक मेहता

तारक मेहता का उल्टा चश्मा बीते 17 सालों से टीवी की दुनिया में राज कर रहा है। असित मोदी के प्रोडक्शन में बना ये शो सालों से ऑडियंस का दिल जीत रहा है। कई कॉमेडी सीरियल आए और गए। लेकिन तारक मेहता शो की जगह कोई नहीं ले पाया। अब इसे 17 साल पूरे हो गए हैं। बीते सालों में कई एक्टर्स ने शो को अलविदा कहा है, असित मोदी के इर्द-गिर्द ढेरों कंट्रोवर्सी हुई हैं, दयाबेन 7 साल से नहीं दिखी है। बावजूद इसके ऑडियंस ने शो का साथ नहीं छोड़ा है। 2017 में जब दिशा वकानी मैटरनिटी लीव पर गई थीं, सबको लगा था अब तो शो डूब जाएगा। लेकिन असित मोदी ने दर्शकों के बीच शो का चार्म कम नहीं होने दिया। बीते 4 हफ्तों से शो बार्क रेटिंग में नंबर 1 बना हुआ है। हॉरर ट्रैक जैसे तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो के लिए वरदान साबित हुआ है। शो को बंपर टीआरपी मिली, जिसकी वजह से अनुपमा की बादशाहत पर असर पड़ा। इस रिपोर्ट में जानते हैं कैसे 17 साल बीतने के बाद ऑडियंस के बीच ये शो अपना वजूद बनाए हुए है? तारक मेहता शो अपने यूनीक थीम की वजह से फेमस हुआ। गोकुलधाम सोसायटी का सदस्य बना हर एक्टर अपनी अलग छाप छोड़ता है। हर किरदार को इस शो ने बनाया है। सालों पुराना शो होने की वजह से इसकी अलग ऑडियंस बनी हुई है। कई बार फैंस की शिकायत रहती है कि उन्हें घिसा पिटा कंटेंट देखने को मिल रहा है, बावजूद इसके उन्होंने शो का साथ नहीं छोड़ा है।

मेट्रो बाजार

सोने-चांदी की कीमतों में अचानक आई बड़ी गिरावट

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम आज यानी 24 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 1,426 घटकर ?99,107 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले ये 1,00,533 पर था। वहीं चांदी की कीमत 1,300 कम होकर 1,14,550 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 1,15,850 पर थी। कल यानी 23 जुलाई को सोना-चांदी अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे।

इन बड़े शहरों में 24 कैरेट सोने का भाव - भारत में सोने की कीमत में गुरुवार को भारी गिरावट दर्ज की गई। 24 कैरेट सोने का भाव आज 1,426 रुपए प्रति 10 ग्राम घटकर 99,107 रुपए रह गया है। वहीं 22 कैरेट सोने कीमत आज 1,250 रुपए प्रति 10 ग्राम कम होकर 92,550 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गई है। इसी तरह से 18 कैरेट सोने का भाव भी आज 1,020 रुपए प्रति 10 ग्राम घटकर 75,730 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया है।

मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद, केरल और पुणे जैसे शहरों में 24 कैरेट सोने की कीमत प्रति ग्राम 10,097 रुपए है। वहीं, राजधानी दिल्ली में आज 24 कैरेट सोने की कीमत प्रति ग्राम के हिसाब से 10,112 रुपए है। वडोदरा और अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की कीमत 10,102 रुपए प्रति ग्राम है।

चांदी की भी कम हुई कीमत - वहीं, अगर चांदी की बात करें तो दो दिन की तेजी के बाद इसकी कीमत में भी 1300 रुपए की गिरावट आई है। मौजूदा समय में भारत में 1 किलोग्राम चांदी की रिटेल कीमत 1,14,550 रुपए है।

अनगिनत ऑडिशन्स दे चुकीं जॉनी लीवर की लाडली, झेल रहीं सिर्फ रिजेक्शन्स

वेतरन कॉमेडियन जॉनी लीवर की लाडली बेटी जेमी लीवर पेशे से एक्ट्रेस और कॉमेडियन, दोनों हैं। पर जितने सक्सेसफुल पित रहे, बेटी उतने ही रिजेक्शन्स झेल रही है। हाल ही में जूम संग बातचीत में जेमी ने बॉलीवुड की पोल खोली। बताया कि किस तरह वो नेपोटिज्म का शिकार हो रही हैं और लगातार ऑडिशन्स देने के बावजूद रिजेक्शन्स फेस कर रही हैं।

जेमी क्यों झेल रहीं सिर्फ रिजेक्शन्स?- जूम संग बातचीत में जेमी ने कहा- मैं आजकल ये बहुत करीब से देख पा रही हूं। नेपो किड और एक्टर किड होने में धरती-आसमान का फर्क आ गया है। मुझे लगता है कि मैं एक एक्टर की बेटी हूं। मुझे ये बात महसूस भी होती है। मेरी जर्नी अपने पिता से बहुत अलग रही है। नेपो किड्स की अलग तरह की जर्नी होती है। उनके पास पावर होती है और प्रिवलेज भी। उन्हें मौके मिलते हैं, कई बार तो वो टैलेंट को अपने साबित भी नहीं करते, तब भी। मैं ये एक चीज इंडस्ट्री में बहुत करीब से जान और पहचान पा रही हूं। पर मेरी जर्नी बाकियों से बहुत अलग रही है। मैं इस इंडस्ट्री का बच्चा हूं, लेकिन फर्क समझ रही हूं। मेरे पिता ने मुझे एक सलाह दी थी। कई लोगों को रोल चांदी की प्लेट में परोसे हुए मिलते हैं। बिना किसी मेहनत के उन्हें फिल्म में लीड रोल्स ऑफर हो जाते हैं। पर कुछ लोग हमारी तरह भी इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। जो अनगिनत ऑडिशन्स दे रहे हैं, फिर भी सिर्फ और सिर्फ रिजेक्शन्स ही झेल रहे हैं। और आगे बढ़ रहे हैं। अगर तुम्हें चांदी की प्लेट में परोसी हुई चीजें मिलती हैं तो उसमें तुम्हें अपना सबकुछ देना होगा। सारी ट्रेनिंग ले लो, जो ले सकती हो और अपना बेस्ट वर्जन तैयार करो। मेरे पापा ने मुझे कहा था कि अगर इंडस्ट्री में जाना है तो बेस्ट बनो, बाकी चीजें और बातों की चिंता मत करो।

कौन हैं जॉनी लीवर?

बता दें कि जॉनी लीवर इंडिया के मोस्ट आयकॉनिक कॉमेडियन्स में आते हैं। अपनी कॉमिक टाइमिंग्स के लिए काफी मशहूर हैं। इनके चेहरे के एक्सप्रेशन्स पर फैन्स फिदा रहते हैं। जॉनी ने अपने करियर की शुरुआत बतौर स्टैंड-अप कॉमेडियन की थी और इसे किरदार से ये दर्शकों के फेवरेट भी बने।

50,000 करोड़ जुटाने की तैयारी में सरकार, बेचेगी 8 सरकारी कंपनियां!

नई दिल्ली। सरकार एक बार फिर विनिवेश की रफ्तार बढ़ाने जा रही है। मौजूदा वित्त वर्ष की आखिरी तिमाही में केंद्र सरकार 8 सरकारी कंपनियों को बेचने की योजना बना रही है। इस लिस्ट में बीईएमएल, शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, एचएलएल, लाइफकेयर लिमिटेड जैसी कंपनियां शामिल हैं। सबसे बड़ी डील आईडीबीआई बैंक की हो सकती है, जिसमें सरकार और एलआईसी मिलकर अपनी 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में हैं। इससे लगभग 50,000 करोड़ रुपए जुटने की उम्मीद है।इस साल अभी तक धीमा रहा विनिवेश- वित्त वर्ष 2025 की पहली दो तिमाहियों यानी जून और सितंबर में सरकार ने किसी बड़ी कंपनी में हिस्सेदारी नहीं बेची है लेकिन दिसंबर तिमाही में आईडीबीआई सहित अन्य कंपनियों की बिक्री से 10,000-15,000 करोड़ रुपए तक जुटाए जा सकते हैं। आईडीबीआई बैंक के लिए बोली लगाने वालों में फेयरफैक्स इंडिया होल्डिंग्स, एमिरेट्स एनबीडी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक जैसे दिग्गज नाम शामिल हो सकते हैं। हालांकि अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। आईडीबीआई बैंक के विनिवेश की घोषणा पहली बार 2022-23 के बजट में की गई थी, लेकिन प्रक्रिया में देरी होती रही। फिलहाल बैंक का शेयर हल्की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। इसका 52 सप्ताह का उच्चतम स्तर 107.98 रहा है।

नशे के सौदागरों से कुछ पुलिस अधिकारियों की करीबी, फोटो वायरल

कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ थी दोस्ती

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कॉलेज की छात्राओं से दुष्कर्म और रेप कर ब्लैकमेल करने वाला मामला अभी ही शांत हो सका था कि नशे के सौदागरों के गिरफ्तारी के बाद एक बार फिर मामला गर्माने लगा। दरअसल, जिन ड्रग तस्करों को पकड़ा गया है, वह पुलिसकर्मियों से लेकर आलाधिकारियों के करीबी बताए जा रहे हैं। उनके सोशल मीडिया पर पुलिसकर्मियों और अधिकारियों के साथ फोटो और वीडियो वायरल हो रहे हैं। वायरल वीडियो और फोटो से राष्ट्रीय मानव अधिकार अयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने एक्स पर ट्वीट किया है। एक्स में लिखा है कि भोपाल का आपराधिक

ब्लैकमेल कर सामूहिक यौन शोषण करना और फिर इस्लाम में धर्मांतरण का दबाव बनाकर जीवन भर के लिए सेक्स स्लेव बना कर रखना। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की भोपाल में दो महीने पहले हुई जांच की फाइंडिंग्स में हमने साफ साफ लिखा है

ताना-बाना समझिए। स्कूल-कॉलेज में पढ़ने वाली हिंदू लड़कियों को टारगेट कर उनको पार्टियों के बहाने ड्रग्स की लत लगवाना, दुष्कर्म कर वीडियो बनाना, वीडियो के माध्यम से

कि पुलिस की जांच अपर्याप्त है। जांच की दिशा अपराध के संरक्षकों की तरफ होना चाहिए, इसलिए इस पूरे मामले में मुख्य सचिव और डीजीपी को पुन-जांच के लिए निर्देश दिए गए थे।

2 अगस्त को होने वाली थी भोपाल में बड़ी पार्टी

पब और रेस्टोरेंट में किस तरह से ड्रग सप्लाई का नेटवर्क चल रहा है। इसका अंदाजा सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले यासीन अहमद के पोस्टर से लगाया जा सकता है। 2 अगस्त को होने वाली पार्टी को लेकर यासीन अहमद ने एक पोस्टर जारी किया था। यासीन अहमद (मछली) खुद पार्टी ऑर्गनाइज करता था। यह पार्टी राजधानी के क्लब, बार और रेस्टोरेंट्स में चलती थी। इसके लिए वाट्सएप ग्रुप बनाकर रखा गया था। ग्रुप के माध्यम से हाई प्रोफाइल लोगों को बुलाया जाता था और उन्हें ड्रग्स सप्लाई किया जाता था। पार्टी के नाम पर ड्रग्स, कोकीन और चरस की ओपन डीलिंग होती थी। हाई-प्रोफाइल युवतियों को पहले फ्री में ड्रग्स मुहैया कराते थे। फिर उन्हें फिर हनी ट्रैप में फंसाया जाता था। इसके अलावा बाहर से पढ़ने आई युवतियों को भी जाल में फंसाकर पहले ड्रग का आदी बनाया जाता था और बाद में उनसे ड्रग की तस्करी कराई जाती थी।

अफसरों पर कार्रवाई की जानी जरूरी

प्रियंक ने लिखा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की सख्ती के बाद दो दिन पहले जिस यास्मीन मछली और शावर को पुलिस ने ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया था। उन दोनों के मोबाइल में कथित रूप से 20 से अधिक युवतियों के पोर्न वीडियो मिले हैं। मुझे फोटो प्रमाण के साथ सूचना मिली है कि यास्मीन का चाचा सोहेल पुलिस के कई अफसरों का दोस्त है। इन अफसरों के भोपाल में रहते निष्पक्ष जांच संभव नहीं है। इसलिए ऐसे अफसरों के मामले में आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देश जारी किए जा रहे हैं।

कोहेफिजा थाने में दूसरी एफआईआर दर्ज, पिता की तबियत का बहाना बताकर मांगी कार

जैन ट्रस्ट के 6 लाख और कर्मचारी की कार सहित बाइक ले भागा मैनेजर

भोपाल दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित नंदीश्वर दीप जिनालय ट्रस्ट की दानपेटी से निकले 6 लाख 68 हजार 436 रुपए लेकर फरार हुए ट्रस्ट के मैनेजर पर पुलिस ने दूसरी एफआईआर दर्ज की है। आरोपी मैनेजर ट्रस्ट के ही एक कर्मचारी की कार व बाइक लेकर गया है। आरोपी ने अपने पिता की तबियत का बहाना बनाकर उक्त गाड़ियां ली थी। पुलिस आरोपी मैनेज की सरगर्मी से तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार जैन मंदिर के पास लालघाटी निवासी अर्पित जैन (31) नंदीश्वर दीप जिनालय ट्रस्ट की भोजन शाला में काम करते हैं। टीकमगढ़ का रहने वाला आकाश जैन पिछले चार-पांच वर्षों से ट्रस्ट में मैनेजर बतौर नौकरी कर रहा था। ट्रस्ट में होने के कारण दोनों की अच्छी जान-पहचान थी। अर्पित का कहना है कि जनवरी महीने में आकाश ने उनकी कार एमपी 04 ईसी 3240 कुछ दिन के लिए चलाने के लिए ली थी। कार की ड्रायवर सीट की डिग्गी में गाड़ी के मूल दस्तावेज भी रखे थे। उन्होंने बीच-बीच में अपनी कार मांगी, लेकिन आकाश ने अपने पिता की तबियत खराब होने और

गाड़ी टीकमगढ़ भेजने का बहाना बनाया। तब अर्पित जैन ने कहा कि उसे कार की जरूरत पड़ती है। इस पर आरोपी ने कहा कि कार जल्द ही मंगवा लेगा। अर्पित का कहना है कि एक ही ट्रस्ट में काम करने के कारण उन्हें आकाश जैन पर भरोसा था। इसलिए उस पर अधिक दबाब नहीं बनाया। दानपेटी की राशि और बाइक भी ले गया पुलिस ने बताया कि विगत 17 जुलाई को नंदीश्वर

रिश्तेदारों को फंसाने गढ़ी 6 साल की बेटी के अपहरण की झूठी कहानी

भोपाल। कोहेफिजा पुलिस ने 6 साल की अगवा बच्ची को बीना से दस्तयाब किया है। इस मामले में चौंकाने वाला मोड़ तब आया जब जांच में पता चला कि बच्ची के माता-पिता ने ही उसके अपहरण की झूठी रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वे लोग अपने रिश्तेदारों को अपहरण के झूठे मामले में फंसाना चाहते थे। पुलिस अब झूठी रिपोर्ट दर्ज कराने वाली मां के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने की तैयारी कर रही है। कोहेफिजा पुलिस ने बीना से बच्ची को किया दस्तयाब थाना प्रभारी केजी शुक्ला ने बताया कि 22 अप्रैल 2025 को बच्ची के 6 साल की बच्ची के अपहरण की शिकायत दर्ज की गई थी। मां-बाप ने अपने रिश्तदारों के खिलाफ अपहरण की आशंका जताई थी। जिस पर पुलिस ने तत्काल प्रकरण दर्ज कर बच्ची और कथित आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। बाद में 19 जुलाई को सूचना मिली कि बच्ची बीना में है। पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बच्ची को दस्तयाब किया। हैरानी की बात यह रही कि बच्ची को उसके मां-बाप के पास ही पाया गया। पूछताछ में मां-बाप ने कुबूल किया कि उन्होंने रिश्तेदारों से चली आ रही रंजिश के चलते उन्हें फंसाने के लिए यह झूठा अपहरण का मामला दर्ज कराया था। फिलहाल पुलिस इस प्रकरण की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद विधि अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

दीप जिनालय ट्रस्ट में दानपेटी खोलकर राशि की गणना की गई। दानपेटी में से निकली राशि 6 लाख 68 हजार 436 रुपए ट्रस्ट के बैंक खाते में जमा करने के लिए मैनेजर आकाश जैन को दी गई। उसी शाम आकाश ने पत्नी की तबियत खराब होने का बहाना बनाया और अर्पित से बाइक की चाबी मांगी। विश्वास होने की वजह से अर्पित ने अपनी बाइक की चाबी दे दी। विगत 18 जुलाई को आकाश जैन अपनी पत्नी खुशबू के साथ बाइक और दानपेटी से निकली राशि लेकर फरार हो गया। उसका मोबाइल नंबर भी बंद आ रहा है। अर्पित की कार बेची ट्रस्ट में निर्माण कार्य करने वाले अकरम के पुत्र आजम ने फरियादी को बताया कि तुम्हारी कार आकाश जैन ने विक्रय अनुबंध पत्र कर सरोज मीणा निवासी ग्राम सरवर रातीबड़ को बेच दी है। अर्पित जैन ने पुलिस को बताया कि उसने अपनी कार व बाइक अमानत के तौर पर उसे दी थी, बेचने के लिए नहीं। आकाश जैन उसकी गाड़ियों को गायब कर खुद भी फरार हो गया है। पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद आरोपी आकाश जैन के खिलाफ अमानत में खयानत व धोखाधड़ी की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

सभी आरोपियों के सुसाइड नोट में लिखे थे नाम, जमीन का था विवाद

चचेरे भाइयों समेत 9 रिश्तेदारों से प्रताड़ित होकर किसान ने की आत्महत्या

भोपाल दोपहर मेट्रो

बैरसिया पुलिस ने किसान की जहर खाकर आत्महत्या मामले में दो चचेरे भाइयों समेत 9 रिश्तेदारों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रकरण दर्ज किया है।

जमीन को लेकर उनका चचेरे भाइयों से विवाद चल रहा था। आरोपियों ने किसान के खिलाफ एक एफआईआर भी दर्ज करा दी थी। परेशान होकर किसान ने अपने खेत में जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस के मुताबिक ग्राम हिंगोनी थाना बैरसिया निवासी किसान चन्द्रमोहन यादव (42) ने विगत सात जुलाई 2025 को अपने खेत में जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली थी। मौके पर पहुंची पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला था। उसमें चन्द्रमोहन ने अपने दो चचेरे भाइयों समेत कुल 9 लोगों के नाम लिखकर उन्हें अपनी मौत का जिम्मेदार बताया था।

पुलिस ने सुसाइड नोट जांच के लिए भेजने के बाद मर्ग की तफ्तीश शुरू कर दी। तफ्तीश के बाद खुलासा हुआ है कि चन्द्रमोहन के दो चचेरे भाइयों संतोष यादव व संजय यादव से उनका जमीन को लेकर विवाद चल रहा था।

विवाद के चलते ही चचेरे भाइयों ने उनके खिलाफ अप्रैल 2023 में एक प्रकरण दर्ज करा दिया था। तभी से उनके बीच रंजिश चली आ रही थी। एसआई हेमंत सिंह ने बताया कि संतोष व संजीव के अलावा उनके ससुर व तीन साले और तीन मामा मृतक को प्रताड़ित कर रहे थे।

तंग आकर 7 जुलाई को चन्द्रमोहन ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने संतोष व संजीव समेत महेन्द्र यादव, बद्री यादव, सुनील यादव, भारत यादव, कृशेन्द्र यादव, संजीव यादव और सतेन्द्र यादव के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

पिपलानी क्षेत्र का मामला

300 पेटी अवैध शराब जब्त, तीन तस्कर गिरफ्तार

भोपाल। पिपलानी पुलिस ने एसओएस बालग्राम सड़क पर चेकिंग पाइंट लगाकर एक बोलेरो पिकअप वाहन से तीन सौ पेटी अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की है। पुलिस उक्त मामले में शराब की तस्करी कर रहे तीन तस्करों के खिलाफ आबकारी एक्ट की धाराओं में एफआईआर करते हुए शराब के बारे में पूछताछ कर रही है।

थाना प्रभारी चंद्रिका यादव ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि एसओएस बालग्राम खजूरी कला से बैरागढ़ की तरफ अवैध शराब की तस्करी की जा रही है। सूचना के बाद हरकत में आई पुलिस ने एसओएस बालग्राम के पास मुख्य सड़क पर चेकिंग पाइंट लगाया। इस दौरान एक बोलेरो पिकअप वाहन आता हुआ नजर आया। पुलिस ने बोलेरो पिकअप वाहन को रोका तो उसमें तीन व्यक्ति सवार थे। तीनों ने अपना नाम यादराम राय (48) रायसेन, विजय नामदेव (34) बरखेड़ी भोपाल, राकेश बंसल (52) टीकमगढ़ बताया। बोलेरो पिकअप की तलाशी लेने पर उसमें रखी तीन सौ पेटी अंग्रेजी शराब जब्त की गई। उक्त शराब के पेपर मांगे गए तो आरोपी नहीं दिखा सके।

तेरह साल से फरार वारंट को जीआरपी ने किया गिरफ्तार

भोपाल दोपहर मेट्रो

भोपाल जीआरपी ने पिछले 13 साल से फरार चल रहे एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। आरोपी अपना नाम और पता बदलकर फरारी काट रहा था। पहचान के लिए उसने दूसरे नाम से आधार कार्ड भी बनवा लिया था। बावजूद इसके जीआरपी की टीम ने उसे दबोच कर जेल भेज दिया है। जीआरपी थाना प्रभारी जहीर खान ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर स्थाई वारंटी आमिर खान (46) आरिफ नगर भोपाल को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उसने अपना दूसरा नाम बताते हुए आधार कार्ड समेत अन्य दस्तावेज दिखाए। वर्ष 2012 में दर्ज एक मामले में पूछताछ करने पर उसने अपना सही नाम बता दिया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान पता चला कि तेरह साल पहले गिरफ्तारी के दौरान उसने चालू नाम

और पता पुलिस को बताया था। उसके बाद से वह फरार हो गया था। अदालत में हाजिर नहीं होने के कारण उसके खिलाफ स्थाई वारंट जारी किया गया था। जीआरपी पिछले नौ साल से उसकी तलाश कर रही थी। आरोपी के पुराने साथियों से जब पूछताछ की गई तो उसकी असल पहचान हो गई, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

बीस दिन बाद भी कपिल के हत्यारों का नहीं लगा सुराग

भोपाल दोपहर मेट्रो

सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित बीजासन फार्म हाउस के पास पिपलिया जाहिर पीर में प्रॉपर्टी डीलर की हत्या करने वाले हत्यारों का बीस दिन बाद भी सुराग नहीं लग सका है। प्रॉपर्टी डीलर कपिल शर्मा की लाश उनकी कार में ड्राइविंग सीट पर मिली?थी। पुलिस यह तक पता नहीं कर सकी है कि हत्या कार के अंदर हुई थी या फिर बाहर हत्या करने के बाद लाश कार में ड्राइविंग सीट पर लाकर रखी गई थी। हद तो उस समय हो गई जब गला रेता होने के बाद भी पुलिस कपिल की मौत को साधारण मानती रही। पुलिस की दलील थी कि लाश डिकंपोज होने के कारण कपिल शर्मा के गले में निशान नजर नहीं आ रहे थे। बाद में पीएम रिपोर्ट मिली तो पता चला कि कपिल शर्मा की गला रेतकर हत्या की गई है। पीएम रिपोर्ट, सीडीआर मिली पर संदेही नहीं पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस ने कपिल शर्मा के मोबाइल की सीडीआर निकलवाई?थी। सीडीआर में कुछ लोगों से बातचीत करने की पुष्टि हुई हैं। पुलिस ने सीडीआर के अनुसार उक्त लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया, लेकिन पुलिस की पूछताछ में ऐसा कोई भी क्लू नहीं मिला जिससे की उससे सख्ती से पूछताछ कर हत्या का खुलासा किया जा सके। पुलिस कपिल शर्मा हत्या कांड में लव, अफेयर, लेनदेन, पारीवारिक विवाद सभी पहलुओं पर चल रही जांच कर रही है। उल्लेखनीय है कि संत आशाराम नगर बागसेवनिया निवासी कपिल शर्मा पिता भूपेन्द्र शर्मा (46) सिविल इंजीनियर थे और प्रापर्टी डीलिंग का काम था।

मैट्रो एंकर

राजधानी से गुजरने वाली अन्य ट्रेनों में यात्रियों के मोबाइल चोरी

सफर कर रहे यात्री का निशातपुरा आउटर पर मोबाइल झपटा

भोपाल,दोपहर मेट्रो

राजधानी से गुजरने वाली ट्रेनों में झपटमारी और चोरी की वारदात थमने का नाम नहीं ले रही है। पटना इंदौर एक्सप्रेस में सफर कर रहे यात्री का निशातपुरा आउटर पर अज्ञात बदमाश ने मोबाइल झपट लिया। दरअसल, यात्रा के समय यात्री गेट पर बैठकर मोबाइल चला रहा था, तभी नीचे रेलवे ट्रैक पर मौजूद बदमाश ने उसके हाथ पर झपट्टा मारकर मोबाइल छीन लिया। इसी प्रकरण अन्य ट्रेनों में यात्रियों की जेब से नगदी और

मोबाइल चोरी होने की घटनाएं हुई है। जीआरपी ने झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। इसी प्रकरण चोरी का प्रकरण दर्ज कर मोबाइल चुराने वाले आरोपियों की तलाश की जा रही है। जीआरपी के अनुसार अविनाश मालवीय पिता संतोष मालवीय (34) गायत्री एनक्लेव विस्तार देवास रोड, उज्जैन में रहते हैं। उन्होंने जीआरपी को शिकायत करते हुए बताया कि पटना इंदौर एक्स के जनरल कोच में वह कानपुर सेंट्रल से उज्जैन की यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान वे कोच के गेट पर बैठे थे। इस दौरान मोबाइल हाथ में था और मोबाइल चला रहे थे। निशातपुरा डी-केबिन के पास ट्रेन पहुंची थी और धीमी गति में चल रही थी। इसी बीच नीचे खड़े एक बदमाश ने मोबाइल पर झपट्टा मारकर हाथ से मोबाइल झपट लिया। ट्रेन चलने के कारण वह ट्रेन से उतरकर बदमाश का पीछा नहीं कर सके। झपटा गया मोबाइल ओपो कंपनी का है। जिसकी कीमत साढ़े 12 हजार रुपए है। पठानकोट एक्सप्रेस में चढ़ते समय साढ़े 29 हजार की नगदी चोरी तिलक सिंह (50) ग्राम चीमना थाना पाली जिला ललितपुर उत्तर प्रदेश में रहते हैं। उन्होंने शिकायत करते हुए बताया कि बुधवार को वह ललितपुर जाने के लिए भोपाल रेलवे स्टेशन अपने बेटे का साथ पहुंचे। पठानकोट एक्स प्लेटफार्म नंबर- दो पर आई। उनके और बेटे का रिजर्वेशन नहीं था। वे जनरल कोच का टिकट लेने के बाद बेटे के साथ पीछे की तरफ लगे कोच में चढ़ने लगे। अंदर पहुंचने के बाद जेब को चेक की तो उसमें रखी साढ़े 29 हजार रुपए की नगदी नहीं थी। चोरी की भनक लगते ही वह ट्रेन से नीचे उतर गए और आसपास तलाश किया, लेकिन नगदी नहीं मिली।

पश्चिम मध्य रेल

शुद्धिपत्र

शुद्धि सूचना क्र 1 एवं दिनांक : 19.07.2025 मद : निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय, शुद्धि सूचना क्र एवं दिनांकः क्र. 2 दिनांक 22.07.2025, मद : बिडरो को प्री बिड प्रश्नों के खिलाफ जवाब और आरएफपी के संशोधित धाराओं, IREPS की वेबसाईट पर NIT; EL-JBP-Project-25 PSSA-1 दिनांक 28.06.2025 : 05.08.2025 upto 15:00 hrs., IREPS पर संशोधित दिनांकः 19.08.2025 upto 15:00 hrs., शेष वस्तुएँ यथावत एवं अपरिवर्तित रहेंगी।

(हस्ता)

उप मुख्य विद्युत अभियंता (प्रोजेक्ट)

पश्चिम मध्य रेलवे,जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022